दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 298

ग्वालियर, सोमवार 18 जुलाई 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

ग्वालियर 'नगर सरकार' कांग्रेस मेयर प्रत्याशी शोभा सिकरवार की रिकॉर्ड जीत

57 वर्ष बाद ग्वालियर में कांग्रेस का महापौर, परिषद पर भाजपा का कब्जा

पार्षद जीते

34 बीजेपी
25 कांग्रेस
6 निर्दलीय
1 बसपा

ग्वालियर । ग्वालियर में शहर सरकार की तस्वीर साफ हो गई है । 56 साल बाद कांग्रेस नगर निगम में मेयर पद पर काबिज होगी । मेयर प्रत्याशी शोभा सिकरवार ने भाजपा की सुमन शर्मा को बड़ी और करारी हार दी है। वही आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी ने भी चौकाने वाले परिणाम दिए है ,आप की प्रत्याशी डॉ. रूचि गुप्ता ने भी लगभग 35 हजार मत प्राप्त कर ग्वालियर में आप की मजबूत प्रजेंटेशन दी है।

ग्वालियर। ग्वालियर नगरीय निकाय चुनावों में महापौर पद पर बड़ा उलटफेर हुआ हैं। इस बार 57 साल बाद कांग्रेस महापौर पद पर जीत गई है। उसकी प्रत्याशी डा. शोभा सतीश सिकरवार ने 23वें राउंड के बाद 25 हजार 900 वोटों से जीत दर्ज की है। वहीं भाजपा प्रत्याशी सुमन यशवीर शर्मा पहले चक्र से ही पिछड़ती रही। लेकिन भाजपा के पार्षद प्रत्याशियों ने 35 वार्डों में जीत हासिल की हैं। कांग्रेस के पार्षद प्रत्याशियों ने 21 वार्डों पर जीत हासिल की। आप ने भी एक सीट जीत कर नगर सरकार में अपनी एन्ट्री दर्ज कराई है। 7 स्थानों पर निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे। दो पर बसपा ने कब्जा जमाया है। 23वें राउंड की समाप्ति पर कांग्रेस की महापौर प्रत्याशी डा. शोभा सतीश सिकरवार ने 224837 वोट प्राप्त कर भाजपा की महापौर प्रत्याशी सुमन यशवीर शर्मा पर 25900 से विजयी हासिल की है। भाजपा प्रत्याशी सुमन यशवीर शर्मा को 198937 वोट मिले। आप की प्रत्याशी तीसरे स्थान पर रही हैं। मतगणना स्थल साइंस कालेज में कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ता भारी सं या में एकत्रित हैं। वहां पुलिस प्रशासन को व्यवस्था बनाने में काफी मशक्कत करना पड़ रही है। मतगणना स्थल पर मतगणना कार्य निर्वाचन प्रेक्षक बीएम शर्मा, जिला निर्वाचन अधिकारी एचबी शर्मा सहित अन्य अधिकारियों की देखरेख में संपन्न हुआ। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल, जिला पंचायत सीईओ आशीष तिवारी, एडीएम इच्छित गढपाले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश दंडोतिया, डीएसपी ट्रेफिक नरेश अन्नोटिया भी उपस्थित थे।

एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मूर्मू पहुंची अहमदाबाद

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने एयरपोर्ट पर किया स्वागत

अहमदाबाद। एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मूर्मू रविवार को गुजरात पहुंची अहमदाबाद एयरपोर्ट पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रदीप परमार और प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील समेत पार्टी नेताओं ने द्रौपदी मूर्मू का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया अहमदाबाद एयरपोर्ट से द्रौपदी मूर्मू का काफिला सीधे गांधीनगर स्थित नारायणी रिसोर्ट पहुंचा नारायणी रिसोर्ट में द्रौपदी मूर्मू भाजपा विधायकों के साथ बैठक कर रही हैं बैठक में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील, गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी समेत गुजरात भाजपा के सभी नेता, विधायक और सांसद मौजूद हैं7 गांधीनगर के नारायणी रिसोर्ट में 150 लोगों के लिए व्यवस्था की गई है7 बता दें कि 18 जुलाई को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव है7 द्रौपदी मूर्मू एनडीए की ओर से राष्ट्रपति उम्मीदवार हैं7 जबकि कांग्रेस समेत विपक्ष दलों ने यशवंतसिंहा को राष्ट्रपति पद के लिए मैदान में उतारा है।

सर्बिया से यूनान जा रहा यूक्रेन का मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त, हादसे के बाद दो घंटों तक होते रहे धमाके

पलेखोरी। उत्तरी यूनान में कवाला शहर के समीप यूक्रेन की एक विमानन कंपनी का मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय निवासियों ने हादसे के बाद दो घंटों तक धमाकों की आवाज सुनी और आग की लपटें उठती देखी। यूनान के नागरिक उड्डयन प्राधिकारियों ने बताया कि यह विमान सर्बिया से जॉर्डन जा रहा था। सोवियत द्वारा निर्मित इस टर्बोप्रोप विमान का संचालन मेरिडियन कंपनी कर रही थी।

यूनानी मीडिया ने बताया कि विमान में आठ लोग सवार थे और इसमें 12 टन 'खतरनाक सामग्री ले जाई जा रही थी जिसमें से ज्यादातर विस्फोटक थीं। बहरहाल, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि उन्हें इस बारे में कोई सटीक जानकारी नहीं है कि विमान में क्या ले जाया जा रहा था। दुर्घटनास्थल से तीव्र गंध आने के कारण एहतियात के तौर पर इसके पास स्थित दो इलाकों में रहने वाले लोगों से पूरी रात अपने घर की खिड़कियां बंद रखने, घर से बाहर न निकलने और मास्क पहनने के लिए कहा गया है।

प्राधिकारियों ने बताया कि उन्हें यह मालूम नहीं है कि क्या विमान में खतरनाक रसायन था। यूनान के नागरिक उड्डयन प्राधिकारियों ने बताया कि पायलट ने विमान के एक इंजन में दिक्कत की जानकारी दी थी और उसे थेसालोनिकी या कवाला हवाईअड्डों पर उतरने का विकल्प दिया गया था और उसने यह कहते हुए कवाला पर उतरने का फैसला किया था कि उसे आपात स्थिति में विमान को उतारना पड़ेगा। इसके तुरंत बाद विमान के साथ संपर्क टूट गया। विमान हवाईअड्डे से करीब 40 किलोमीटर पश्चिम में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। स्थानीय लोगों ने आग का गोला और धुएं का गुबार देखने की सूचना दी। दमकल सेवा ने घटनास्थल के आसपास के 400 मीटर के क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है। राहत और बचाव का कार्य जारी है।

कोरोना से जंग में भारत ने रचा इतिहास 200 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा पार

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीनेशन में एक और परचम लहराते हुए भारत ने दो अरब यानी दो सौ करोड़ का आकंड़ा पार कर दिया है। वैक्सीनेशन को लेकर भारत में रविवार 17 जुलाई को नया कीर्तिमान रच गया। देश अब दो अरब से अधिक कोरोना टीका के डोज देने वाला दुनिया में दूसरा देश बन गया। इसकी जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने दी है। दरअसल, भारत में कोरोना वैक्सीनेशन का आंकड़ा दो अरब के पार पहुंच गया है। दोपहर 12 बजे के आसपास भारत ने 200 करोड़ से अधिक खुराक में वैक्सीनेशन के आंकड़े को पार कर लिया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है। मैं सभी हेल्थ वर्कर्स और नागरिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं। कोविन पोर्टल पर रविवार दोपहर साढ़े 12 बजे तक कुल 2,00,00,15,631 लोगों को टीकाकरण हो चुका था। इनमें 1,01,90,73,891 लोग पहली खुराक पाने वाले, 92,59,26,880 दूसरी डोज पाने वाले और 5,50,14,860 ऐहतियाती खुराक लगवाने वाले शामिल हैं। मौजूदा समय में 14,883 साइट्स पर टीकाकरण चल रहा है, जिनमें 14,166 सरकारी केंद्र हैं, जबकि 717 प्राइवेट सेंटर हैं। देश में वैक्सीनेशन की शुरुआत 16 जनवरी 2021 को हुई थी। पहले 100 करोड़ टीकाकरण का लक्ष्य देश ने 21 अक्टूबर 2021 को हासिल किया था। ठीक नौ महीने बाद टीकाकरण का आंकड़ा 200 करोड़ के करीब पहुंच गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में 1.02 अरब आबादी ऐसी है, जिसे टीके की कम से कम एक खुराक लग चुकी है। सरकार ने 2021 के अंत तक दो अरब वैक्सीन डोज लगाने का लक्ष्य रखा था।

खास खबर

17 साल की लड़की ने परीक्षा से पहले ही डिप्रेशन में लगा ली फांसी

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर में एक 17 वर्षीय लड़की जिसका रविवार को नीट का एग्जाम था, उसने परीक्षा से पहले ही घर में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बताया जा रहा है कि एग्जाम को लेकर वह तनाव में थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के मुताबिक, घटना मथुरा गेट थाना क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की है। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के मुताबिक उनकी लड़की कक्षा 12 पास की थी और रविवार को उसका नेट का एग्जाम था। वह अपने कमरे में पढ़ रही थी और देर रात जब उसकी मां ने उसको कमरे में जाकर चेक किया तो वह वहां नहीं मिली। इसके बाद मां की निगाह पड़ी कि उसकी बेटी फांसी के फंदे पर लटकी हुई है। परिजनों ने बताया कि एग्जाम को लेकर वह काफी तनाव में थी। मथुरा गेट थाना के हेड कांस्टेबल सत्येंद्र सिंह ने बताया कि एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। परिजनों के मुताबिक एग्जाम को लेकर वह तनाव में थी। परिजनों की तरफ से पुलिस को मर्ग प्राप्त हुई है और शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। आपको बता दें कि प्रदेश भर में रविवार को नीट का एग्जाम हुआ, जिसमें भरतपुर में भी एग्जाम के लिए चार सेंटर बनाए गए। करीब 1800 अभ्यर्थियों ने भरतपुर के इन सेंटरों में परीक्षा दी।

मध्य प्रदेश में कराई आम आदमी पार्टी की एंट्री

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश नगर निकाय चुनाव में वैसे तो मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच देखा जा रहा था लेकिन अब तीसरे खिलाड़ी के तौर पर आम आदमी पार्टी ने मजबूत एंट्री मारी है। मध्य प्रदेश के सिंगरौली में नगर निगम के महापौर की सीट पर आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी रानी अग्रवाल ने कब्जा कर लिया है। सिंगरौली नगर निगम महापौर चुनाव में आप उम्मीदवार रानी अग्रवाल ने 9159 वोटों से जीत हासिल की है। उन्हें कुल 34038 वोट मिले हैं। वहीं दूसरे नंबर पर भाजपा के चन्द्र प्रताप विश्वकर्मा रहे, जिन्हें 24879 वोट मिले। तीसरे नंबर पर रहे कांग्रेस के अरविन्द सिंह चन्देल को 24670 वोटों से संतोष करना पड़ा। 9 राउंड की काउंटिंग के बाद सिंगरौली को नया मेयर मिला। आपको बता दें कि सिंगरौली नगर निगम में महापौर पद का मुकाबला शुरुआत से ही त्रिकोणीय माना जा रहा था। रानी अग्रवाल ने साल 2018 में सिंगरौली विधानसभा से भी चुनाव लड़ा था। उस दौरान उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। विधानसभा चुनाव में रानी तीसरे नंबर पर रही थीं और उन्हें 32500 मत मिले थे। रानी अग्रवाल बरगवां ग्राम पंचायत से सरपंच रह चुकी हैं।

हवा में उड़ते विमान के कॉकपिट में मिली जिंदा चिड़िया

नई दिल्ली। हवा में उड़ान भर रहे विमान के कॉकपिट में अगर जिंदा चिड़िया मिले तो क्या होगा? एयर इंडिया एक्सप्रेस की बहरीन-कोच्चि फ्लाइट में कुछ ऐसा ही वाकया हुआ। जानकारी के मुताबिक 15 जुलाई को जब विमान 37000 फीट की ऊंचाई पर उड़ान भर रहा था तो कॉकपिट में एक छोटी चिड़िया मिली। हालांकि पायलट बिना घबराए उड़ान भरते रहे और मंजिल तक पहुंचने के बाद चिड़िया को इसमें से सुरक्षित निकाला गया। फिलहाल इस मामले में जांच की जा रही है। एयर इंडिया से भी इस मामले में सवाल पूछे गए हैं और जवाब का इंतजार है।

इस साल के अंत तक लाल सागर के तिरान द्वीप से वापस चले जाएंगे अमेरिकी सैनिक

रियाद। अमेरिका ने ऐलान किया है कि इस साल के अंत में रणनीतिक तौर पर अहम लाल सागर के तिरान द्वीप से अमेरिकी सैनिक वापस चले जाएंगे। अमेरिका ने शांति दल के तौर पर अपने सैनिक यहां पर तैनात किए हैं। माना जा रहा है कि इससे आने वाले दिनों में इजरायल और खाड़ी के इस अहम देश के बीच आपसी संपर्क के मौके बढ़ सकेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की तरफ से इस पर एक बयान जारी किया गया है।

उन्होंने बयान में कहा है कि कई माह की शांत और लगातार कूटनीतिक प्रयासों का शुक्रिया कि हम एक समझौते पर पहुंच गए हैं, जिसमें तिरान के लाल सागर द्वीप पर अंतरराष्ट्रीय शांति सैनिकों को रवाना किया जाएगा। इस इलाके को एक ऐसे इलाके में तब्दील किया जाएगा जो शांतिपूर्ण पर्यटन और आर्थिक विकास का केंद्र होगा। इजिप्ट ने लाल सागर के दो छोटे द्वीपों तिरान और सानाफिर को साल 2016 में सऊदी अरब को दे दिया था। ये अभी तक ऐसे ही पड़े हैं और इनकी रणनीतिक अहमियत बहुत ज्यादा है। इनके सीमाई क्षेत्र को अभी इजरायल की तरफ से पहचाना जाना है और इसके बाद ही इनका हक स्थानांतरित किया जा सकेगा। यहां से शांतिदलों को हटाने का फैसला इसलिए लिया गया है ताकि यहां की स्थिति को सुलझाया जा सके। यह जगह बहुत ही उलझी हुई है। जिस जगह ये द्वीप हैं उनका इतिहास बहुत ही पेचीदा रहा है। जब यहां से शांति दल रवाना हो जाएंगे तो इजरायल और सऊदी अरब के बीच आपसी भरोसे का निर्माण हो सकेगा। इजरायल और सऊदी अरब दोनों ही अमेरिका के अहम साथी हैं। दोनों ही देश अब ऐसे कदम उठा रहे हैं जिसके बाद इनके बीच पूर्ण कूटनीतिक संबंधों की बहाली के आसार बने हैं।

61 वर्ग किलोमीटर फैले तिरान में एयरपोर्ट है जो सेनाओं के प्रयोग में आता है। सन् 1950 से दोनों ही द्वीप इजिप्ट के हिस्से में आते थे। सन् 1956 में स्वेज संकट के दौरान इजिप्ट की सेनाएं यहां दाखिल हुईं। उस समय इजिप्ट के राष्ट्रपति गमाल अब्देल नासिर ने स्वेज का राष्ट्रीयकरण कर दिया था। यह जगह इजिप्ट और एशिया के बीच व्यापार का अहम केंद्र है। इजिप्ट ने करीब एक दशक तक इन पर अपना कब्जा रखा। सन् 1967 में इजरायल ने इन पर कब्जा कर लिया। सन् 1978 में कैंप डेविड शांति समझौते में इजरायल ने सिनाई, तिरान और सनाफिर का नियंत्रण इजिप्ट को दे दिया।

उत्तराखंडः भूस्खलन से बद्रीनाथ-ऋषिकेश राष्ट्रीय राजमार्ग बंद, खनकड़ा के पास हुआ हादसा

देहरादून। उत्तराखंड में इन दिनों मूसलाधार बारिश ने पहाड़ों पर कोहराम मचा रखा है यहां भूस्खलन की घटनाएं लगातार हो रही है। शनिवार को उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में बारिश और भूस्खलन के चलते बद्रीनाथ-ऋषिकेश राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया। बता दें कि इस रास्ते पर पहाड़ का हिस्सा गिर गया। हालांकि राहत की बात है कि इस दौरान किसी वाहन को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। बता दें कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। वहीं भूस्खलन के चलते हाईवे पर यातायात बाधित हो गया, कई जगह से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। यह हादसा खनकड़ा के पास हुआ है। उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते अभी कुछ दिन तक लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक उत्तराखंड के देहरादून में आज गरज के साथ भारी बारिश की संभावना है। अगर तापमान की बात करें तो देहरादून में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री और अधिकतम तापमान 35 डिग्री रहेगा। गौरतलब है कि देश के कई राज्यों में जहां बारिश के चलते गर्मी से राहत मिली है तो वहीं कई राज्य ऐसे में भी हैं जहां बारिश मुसीबत बनकर आई है।

अयोध्या में कांवड़ यात्रा और सावन मेला में आतंकी हमले के इनपुट के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में प्रारंभ हो रही कावड़ यात्रा और सावन झूला मेले को लेकर आतंकी हमले का खुफिया इनपुट जारी किया गया है। इसको लेकर अयोध्या की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस बार अयोध्या की सुरक्षा के लिए पीएसी, आरएएफ व सीआरपीएफ के जवानों को भी तैनात किया गया है। इसी कड़ी में रविवार को सीआरपीएफ की बटालियन के साथ पुलिस अधिकारियों ने अयोध्या के प्रमुख मार्गों पर रूट मार्च भी किया।

बता दें कि कावड़ यात्रा को लेकर खुफिया विभाग ने आतंकी हमले का इनपुट जारी किए हैं। जिसके बाद हमेशा सुरक्षा को लेकर सख्त घेरे में कसी रहने वाली अयोध्या की सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। अयोध्या के हर मठ मंदिर में सुरक्षा बल तैनात किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में सुरक्षा बल बाहर से मंगाए गए हैं। जिनकी प्रमुख सड़कों के समेत हर गली प्रमुख स्थानों पर तैनाती की जा रही है। साथ ही सभी प्रमुख मठ मंदिरों के महंत और वीआईपी को सुरक्षा प्रदान की गई है। इतना ही नहीं संपूर्ण मेले में हर आने जाने वाले पर नजर रखी जा रही है। अयोध्या में प्रवेश करने वाले हर वाहन की तलाशी की जाएगी और साथ ही यात्रियों की सुविधाओं के लिए जगह-जगह पार्किंग की व्यवस्था की गई है। संपूर्ण अयोध्या को छोटे-छोटे सेक्टर में बांटा गया है। जिसमें सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती होगी। सुरक्षा को लेकर के अयोध्या बेहद सख्त घेरे में कसी रहेगी श्रद्धालुओं को किसी तरीके की असुविधा ना हो इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। अयोध्या की निगरानी सीसीटीवी से की जा रही है।

क्षेत्राधिकारी अयोध्या राजेश तिवारी ने बताया कि कोविड के कारण दो साल के बाद पहली बार सावन मेला होने जा रहा है। इस वर्ष रामनवमी के मेले में बहुत बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे थे। सावन मेला कावड़ यात्रा और सावन के पहले सोमवार के दृष्टिगत अयोध्या की सड़कों पर लोगों में सुरक्षा की भावना जागृत करने के लिए सीआरपीएफ के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में रूट मार्च निकाला जा रहा है। क्षेत्राधिकारी अयोध्या ने बताया कि अयोध्या के सभी प्रमुख स्थान और मठ मंदिरों को सुरक्षा मुहैया कराई गई है।

एक समय में दो मोर्चों को संभालने के लिए एयरफोर्स को और मजबूत करना जरूरी : वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने मौजूदा स्थिति में वायुसेना को और मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा इसी बड़ी सीमा में कई मोर्चों पर खतरा हमेशा बना रहता है। इसलिए एक समय में दो मोर्चों को संभालने के लिए भारतीय वायुसेना की क्षमता को विभिन्न प्लेटफार्मों पर मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा इसके लिए हमें और अधिक रडार, एसएजीडब्ल्यू सिस्टम की जरूरत होगी और ये सभी स्वदेशी स्त्रोतों से आएंगे। वी आर चौधरी ने कहा कि विमान के मुद्दे पर हम अब से कुछ साल बाद एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट, हल्के लड़ाकू विमान से आगे देख रहे हैं। वहीं 114 मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट के मामले में भी अच्छी प्रगति देखने को मिल रही है। ये विमान न केवल भारतीय वायुसेना को मजबूत करेगा, बल्कि भारतीय विमानन उद्योग को भी इससे बढ़ावा मिलेगा। एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के लिए हमने 7 स्क्वॉड्रन को प्रतिबद्ध किया है। फिलहाल एलसीए मार्क-द्धद्ध को लेकर नंबर पर फैसला तब किया जाएगा, जब पहला प्रॉडक्शन मॉडल आएगा। इससे पहले भी एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा था कि भारत को अस्थिर पश्चिमी और उत्तरी सीमा पर मौजूद स्थिति को दो मोर्चों के तौर पर देखना चाहिए और उसी के अनुरूप तैयारी करनी चाहिए। क्योंकि भविष्य में भारत पर सभी मोर्चों से हमला हो सकता है। दरअसल इन दोनों सीमाओं पर चीन और पाकिस्तान भारत के प्रतिद्वंद्वी हैं। उन्होंने चीन और पाकिस्तान के दोहरे सैन्य खतरे से उत्पन्न होने वाली संभावित चुनौतियों का हवाला देते हुए कहा था, भविष्य में भारत पर सभी मोर्चों से हमला हो सकता है।

न्यूज़ ट्रैक....

भारत के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 50 मीटर थ्री पॉजिशंस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

चांगवन । भारत के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप की 50 मीटर थ्री पॉजिशंस स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तोमर ने हंगरी के जलान पेकलर को पछाड़कर पोडियम में शीर्ष स्थान पर कब्जा किया। वह क्वालीफिकेशन दौर में भी 593 अंक के स्कोर से शीर्ष पर रहे थे। वहीं हंगरी के अनुभवी इस्तवान ने कांस्य पदक जीता। रैंकिंग राउंड में तोमर ने पहली दो नीलिंग एवं प्रोन पॉजिशंस स्पर्धा में परफेक्ट स्कोर बनाया। लेकिन अंतिम स्टैंडिग पॉजिशंस में अपने सभी सात अंक गंवा दिए। एक अन्य भारतीय चैन सिंह सातवें स्थान पर रहे। भारतीय खेल प्राधिकरण ने तोमर की जीत के बारे में ट्वीट कर बताया कि भारत के लिये स्वर्ण। टोक्यो ओलंपियन तोमर ने चांगवन में आईएसएसएफ निशानेबाजी 2022 विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता।

जिला स्तरीय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में पूर्वी, इशिका, साक्षी, सुष्मा प्रथम रही

इन्दौर । इन्दौर कॉरपोरेशन पावरलिफ्टिंग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय पॉवरलिफ्टिंग प्रतियोगिता पूर्वी लश्करी, इशिका लश्करी, साक्षी नरवरिया व सुष्मा पाटीदार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण अतीन तिवारी, विमल प्रजापत, जे.सी. राठौर, सीबी होल्कर, दविंदर सिंह खनूजा, विपिन पाटीदार, रवि नरवरिया, राजेश परमार, विवेक हार्डिया, मीना शर्मा, श्रीमती शांतुना शर्मा ने किया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय पॉवर लिफ्टर संजीव राजदान, शांतुना शर्मा, रवि नरवरिया ,राजेश परमार, विवेक हार्डिया उपस्थित थे। निर्णायक की भूमिका प्रारंभिक मुकाबले में सुमित पालीवाल, धर्मेंद्र पालीवाल, अखिलेश मंडलोई, दिलीप भूरिया, राजेश परमार द्वारा निभाई जायेगी। इस प्रतियोगिता के आधार पर आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाली इन्दौर कॉरपोरेशन टीम का चयन किया जायेगा।

नवदीप सैनी इंग्लिश काउंटी टीम केंट के लिए खेलेंगे आठ मैच

केंट । भारत के फास्ट बॉलर नवदीप सैनी इंग्लिश काउंटी टीम केंट के लिए वर्तमान श्रंखला में आठ मैच खेलेंगे। सैनी इस काउंटी के लिये खेलने वाले राहुल द्रविड़ के बाद भारत के दूसरे टेस्ट क्रिकेटर होंगे। वह 96 नंबर की शर्ट पहनेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने की शुरूआत में बर्मिंघम टेस्ट से पहले वह भारतीय टीम के साथ नेट गेंदबाज के तौर पर थे। केंट काउंटी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, केंट क्रिकेट को तीन काउंटी चैम्पियनशिप मैचों और पांच रॉयल लंदन कप मैचों के लिये भारत के अंतरराष्ट्रीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी के साथ करार की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। वो काउंटी चैम्पियनशिप के तीन मुकाबले खेलने के साथ रॉयल लंदन कप के भी पांच मैच खेलेंगे ।सैनी भारत के लिये तीनों प्रारूप खेल चुके हैं। उन्होंने अगस्त 2019 में पदार्पण किया था। सैनी की गिनती भारत के पांच सबसे तेज पांच गेंदबाजों में होती है।

विराट कोहली की लगातार असफलता से टीम की समस्या बढ़ी

वनडे सीरीज के निर्णायक मुकाबले में भारतीय टीम का पूरा दरोमदार बल्लेबाजी पर

कोहली का खराब प्रदर्शन टीम के लिए चिंता का कारण

मैनचेस्टर । इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम को पिछले मैच में 100 रन से करारी हार मिली थी। टीम रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के निर्णायक तीसरे वनडे में बल्लेबाजी रणनीति में थोड़ा बदलाव करना चाहेगी। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने हाल में समाप्त हुई टी20 सीरीज के दौरान आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया, जिससे काफी हद तक सफलता भी मिली. लेकिन जिस तरीके से दूसरे वनडे में टीम ने 247 रन के कम स्कोर के लक्ष्य का पीछा किया, उस देखकर लगता है कि काफी कुछ किया जा सकता है। हालांकि मैदान का रिकॉर्ड टीम इंडिया के पक्ष में नहीं है। यहां पर खेले गए अंतिम तीनों वनडे मैच इंग्लैंड ने जीते हैं। रोहित और शिखर धवन की ओपनिंग जोड़ी रीस टॉप्ली और डेविड विली की स्विंग के आगे रक्षात्मक हो गई थी। फिर विराट कोहली की लगातार असफलता से टीम की समस्या और बढ़ गई। इसकारण टीम बल्लेबाजी के तरीके में बदलाव कर सकती है और लक्ष्य का पीछा करने के लिए मानसिकता में बदलाव करना होगा। ओवल में पहले मैच में हालांकि जसप्रीत बुमराह ने 6 विकेट लेकर अकेले दम पर टीम को जीत दिलाई थी। रोहित ने दूसरे मैच के बाद कहा कि मैं चाहता हूं कि खिलाड़ी टीम की भूमिका देखने के बजाय देखें कि वे अपने खेल के बारे में कुछ अलग कर सकते हैं। अगर वे उस स्थिति से टीम को बाहर निकालते हैं, तब सोचिये कि उनके आत्मविश्वास में इससे कितनी बढ़ोतरी होगी। टी20 मैच में शुरू से तेज खेलने का तरीका शानदार रहा और ऐसा नहीं है कि यह 50 ओवर के फॉर्मेट में काम नहीं कर सकता।

वहीं इंग्लैंड की स्टार सुसज्जित बल्लेबाजी लाइन अप भी पहले 2 मैचों में पूरी तरह से फॉर्म से बाहर दिखा और जिससे लगा कि मेजबान टीम में जोस बटलर, जॉनी बेयरस्टो, जेसन रॉय, बेन स्टोक्स और लियाम लिविंगस्टोन जैसी खिलाड़ी रंग में नहीं दिखे। ओल्डट्रेफर्ड पर सुबह होने वाले इस वनडे में हालांकि बल्लेबाजी चुनौतीपूर्ण होगी जहां गेंद काफी 'मूव' करती है और भारत को यहां 2019 में वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में मिली हार भी ध्यान में रहेगी। ज्यादातर मैचों में रोहित का तरीका परेशानी भरा नहीं है, लेकिन मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की अगुआई वाला भारतीय टीम मैनेजमेंट के अपने ही मुद्दा होगा। जिसमें यह भी कि 37 वर्षीय धवन अगले साल होने वाले 2023 वनडे वनडे वर्ल्ड कप में उनकी पसंद हैं, यहां नहीं। यह बाएं हाथ का खिलाड़ी रोहित और कोहली के अलावा काफी रन जुटाता रहा है। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि वे पारी का आगाज करते हैं। वनडे वर्ल्ड कप में अभी 15 महीने का समय बाकी है, इस पर गंभीरता से विचार किए जाने की जरूरत है कि रोहित, धवन और कोहली आगे भारत के पहले, दूसरे और तीसरे नंबर के खिलाड़ी हो सकते हैं। कोहली निश्चित रूप से इस मैच के बाद एक महीने लंबे ब्रेक के लिए तैयार होने वाले हैं। इसके बाद खराब प्रदर्शन से निकलने के बारे में कोई प्लान भी बनाएंगे। जहां तक भारत के गेंदबाजी आक्रमण का संबंध है, तब उसने अभी तक 5 सफेद गेंद के मैचों में से 4 में तो उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन किया है।

जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी की और मोहम्मद शमी ने अकसर विकेट चटकाने वाली गेंद फेंकी हैं। युजवेंद्र चहल ने अपनी तकनीक में थोड़ा बदलाव कर थोड़ी और धीमी गेंद फेंक रहे हैं। प्रसिद्ध कृष्णा लेंथ से उछाल हासिल करने की काबिलियत को देखते हुए बेहतर ही होगा और हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी लय से निश्चित रूप से भारतीय खेमे के चेहरों पर मुस्कान वापस आई है। चिंता का विषय केवल रवींद्र जडेजा की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी है, जो अब तक फॉर्म में नहीं दिखे हैं। जडेजा बल्लेबाजी ऑलराउंडर के रूप में नजर आ रहे हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, जॉनी बेयरस्टो, ब्रायडन कार्स, सैम करेन, लियाम लिविंगस्टोन, क्रेग ओवरटन, जो रूट, जेसन रॉय, बेन स्टोक्स, रीस टॉपली, डेविड विली।

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, ईशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

37 साल की उम्र में एक बार फिर मैदान पर वापसी करेंगे पार्थिव पटेल

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय विकेटकीपर पार्थिव पटेल एक बार फिर से क्रिकेट मैदान पर वापसी करने को तैयार हैं। पार्थिव 37 साल की उम्र में लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में नजर आएंगे। पार्थिव इस लीग के दूसरे सीजन का हिस्सा होंगे, जो सितंबर में खेला जाएगा। पार्थिव इस तरह पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, इरफान पठान, यूसुफ पठान, हरभजन सिंह, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली, महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन और विश्व कप विजेता इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ऑयन मॉर्गन के साथ जुड़ जाएंगे। पार्थिव ने साल 2002 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। उन्होंने तब इंग्लैंड के खिलाफ नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में खेले गए टेस्ट मैच में विकेटकीपिंग संभाली थी। उन्होंने 2003 में वनडे जबकि 2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। पार्थिव के नाम टेस्ट में कुल 934 जबकि वनडे में 736 रन दर्ज हैं। उन्होंने टेस्ट में 6 और वनडे में 4 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने दिसंबर 2020 में क्रिकेट के हर फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले लिया था।

पार्थिव पटेल के अलावा 3 अन्य पूर्व खिलाड़ी- स्पिनर प्रज्ञान ओझा, ऑलराउंडर रीतिंदर सोढी और तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने भी लीग की प्लेयर्स ड्राफ्ट प्रक्रिया का हिस्सा बनने की पुष्टि कर दी है। टूर्नामेंट का शुरुआती चरण ओमान में खेला गया था जिसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटरों ने भारत, एशिया और वर्ल्ड इलेवन, तीन टीमों का प्रतिनिधित्व किया एलएलसी के दूसरे सत्र में चार टीमें और 110 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर खेलेंगे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन और श्रीलंका के पूर्व कप्तान थिसारा परेरा भी लीग से जुड़ गए हैं।

इंडोनेशिया में अंडर-19 वर्ल्ड चैम्पियनशिप के एक मैच में जीत के बाद खुशी जताते मलेशिया के खिलाड़ी।

बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु का धमाल, सिंगापुर ओपन के फाइनल में पहुंचीं

सिंगापुर । सिंगापुर ओपन में भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने धमाल मचा दिया है। दो बार की ओलंपिक विजेता पीवी सिंधु ने फाइनल में जगह बना ली है। सिंधू ने सेमीफाइनल में जापान की गैर वरीय साइना कावाकामी को सीधे सेटों में हराया। बता दें कि फाइनल के लिए सिंधु और साइना कावाकामी के बीच सेमीफाइनल हुआ, जो सिंधु ने आसानी से जीत लिया। जापानी स्टार कावाकामी एक भी बार सिंधु पर भारी पड़ती नजर नहीं आईं। खिताबी मुकाबले में सिंधु की सीधी टक्कर जापान की आया ओहोरी या चीन की जी यी वांग से होगा। जापान की आया ओहोरी ने क्वार्टरफाइनल में भारतीय स्टार साइना नेहवाल को ही शिकस्त दी थी। साइना को जापान की आया ओहोरी ने हराया। ओहोरी को खिताबी मुकाबले में सिंधु से भिड़ने के लिए अब जी यी वांग को हराना होगा। पीवी सिंधु ने चीन की हान यूइ को एक घंटे से अधिक चले मुकाबले में हराकर सिंगापुर ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी ने एक गेम गंवाने के बाद जीत दर्ज की थी। सिंधु के लिए जितना मुश्किल क्वार्टरफाइनल मुकाबला रहा था, उतना ही आसान सेमीफाइनल रहा। उन्होंने सिर्फ 30 मिनट में कावाकामी को शिकस्त दे दी। सिंधु लगातार शानदार फॉर्म में दिख रही हैं। उन्होंने इसी साल मार्च में हुए स्विस ओपन के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। सिंधु ने स्विस खिताब पर कब्जा जमाया था। उन्होंने स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान को 21-16, 21-8 से हराया था।

व्यापार न्यूज

इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को पैकेज पर विवरण क्यूआर कोड के जरिए देने का विकल्प

नई दिल्ली । केंद्र ने इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को 15 जुलाई के बाद तथा एक साल की अवधि के लिए निर्मित उत्पादों के लेबल पर क्यूआर कोड के माध्यम से कुछ अनिवार्य विवरण घोषित करने की अनुमति दी है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने कहा कि हालांकि उद्योग को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी), फोन नंबर तथा ई-मेल पता जैसा अनिवार्य विवरण पैकेज पर देना होगा। इन संशोधनों को विधिक माप विज्ञान (पैक किए गए उत्पाद) नियम 2011 के तहत लाया गया और ये 14 जुलाई से प्रभावी हुए। एक अधिकारी ने कहा ?कि पहले नियमानुसार कई घोषणाएं पैकेज पर करनी होती थीं। अब हमने इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को क्यूआर कोड फॉर्म के जरिए कुछ अनिवार्य घोषणाओं का विकल्प दिया है। विवरण क्यूआर कोड के जरिए देने की स्थिति में पैकेज पर ग्राहकों को यह सूचना देनी होगी। यह विकल्प पहले एक साल के लिए दिया गया है क्योंकि सरकार इस प्रौद्योगिकी को पहली बार पायलट आधार पर इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही है और जो प्रतिक्रिया मिलेगी उसके आधार पर इसे विस्तार देने के बारे में निर्णय लिया जाएगा।

दामोदरन की इंडिगो के बोर्ड में वापसी

नई दिल्ली । इंडिगो एयरलाइन की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने कहा कि उसके बोर्ड ने सेबी के पूर्व अध्यक्ष एम दामोदरन की गैर-स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दी है। कंपनी ने कहा कि इंटरग्लोब एविएशन के निदेशक मंडल ने गैर-स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में दामोदरन की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इसके लिए शेयरधारकों की मंजूरी ली जानी है। एयरलाइन में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान दामोदरन 24 जनवरी 2019 से तीन मई 2022 तक इंटरग्लोब एविएशन में एक स्वतंत्र निदेशक और निदेशक मंडल के अध्यक्ष थे। दामोदरन एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं, और वह फरवरी 2005 से फरवरी 2008 तक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष थे।

मानसून आने से जुलाई के पहले पखवाड़े में पेट्रोल और डीजल की मांग में आई गिरावट

नई दिल्ली । मानसून की दस्तक के साथ जुलाई के पहले पखवाड़े में देश में पेट्रोल और डीजल की मांग में गिरावट आई है। उद्योग की ओर से रविवार को जारी शुरुआती आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। मानसून के आगमन के साथ जहां कुछ क्षेत्रों में ईंधन का उपभोग घटा है, वहीं आवाजाही घटने से भी इसकी मांग नीचे आई है। सबसे ज्यादा इस्तेमाल वाले ईंधन डीजल की खपत एक से 15 जुलाई के दौरान 13.7 प्रतिशत घटकर 31.6 लाख टन रह गई, जो पिछले महीने की समान अवधि में 36.7 लाख टन थी।देश में डीजल की मांग मानसून पर काफी निर्भर करती है। आमतौर पर अप्रैल-जून की तुलना में जुलाई-सितंबर की तिमाही में डीजल की मांग कम रहती है। बाढ़ की वजह से जहां आवाजाही घटती है वहीं बारिश के चलते कृषि क्षेत्र में भी डीजल का इस्तेमाल कम हो जाता है। कृषि क्षेत्र में सिंचाई के लिए सिंचाई के लिए पंप चलाने को डीजल का इस्तेमाल होता है, लेकिन मानसून के समय इसकी जरूरत नहीं होती। हालांकि, सालाना आधार पर डीजल की मांग 27 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले साल की समान अवधि में महामारी की दूसरी लहर के कारण डीजल की मांग काफी घटी

थी।एक से 15 जुलाई, 2020 की तुलना में डीजल की मांग 43.6 प्रतिशत बढ़ी है। उस समय यह 22 लाख टन रही थी। वहीं यह कोविड-पूर्व यानी जुलाई, 2019 की तुलना में 13.7 प्रतिशत अधिक रही है। जुलाई के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की मांग 7.8 प्रतिशत घटकर 12.7 लाख टन रह गई, जो पिछले माह की समान अवधि में 13.8 लाख टन थी।यह आंकड़ा जुलाई, 2021 से 23.3 प्रतिशत और जुलाई, 2020 के पहले पखवाड़े से 46 प्रतिशत ऊंचा है। यह जुलाई, 2019 यानी कोविड-पूर्व की समान अवधि से 27.9 प्रतिशत अधिक है। जून में वाहन ईंधन की मांग बढ़ने की मुख्य वजह गर्मियों की छुट्टियों के बीच लोगों की ठंडे स्थानों की यात्रा थी। विमानन क्षेत्र के फिर से खुलने के बाद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या बढ़ी है। इस वजह से विमान ईंधन (एटीएफ) की मांग भी बढ़ी है। आंकड़ों के अनुसार, एक से 15 जुलाई के दौरान एटीएफ की मांग सालाना आधार पर 77.2 प्रतिशत बढ़कर 2,47,800 टन पर पहुंच गई। यह जुलाई, 2020 की समान अवधि से 125.9 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, यह कोविड-पूर्व यानी जुलाई, 2019 की समान अवधि से 17.7 प्रतिशत कम है। पिछले महीने की समान अवधि की तुलना में एटीएफ की मांग 6.7 प्रतिशत घटी है। एक अधिकारी ने कहा कि महामारी से संबंधित अंकुश हटने के साथ देश में ईंधन की मांग बढ़ रही है।

डेस्टिनेशन पूछने अब नहीं आएगा उबर के ड्राइवर का कॉल

-फाइनल बुकिंग होने से पहले ही कर सकेंगे फैसला

नई दिल्ली । उबर ने घोषणा की कि उसके ड्राइवर राइडिंग एक्सेप्ट करने से पहले पैसेंजर के आखिरी डेस्टिनेशन को देख सकेंगे। इससे वह फाइनल बुकिंग होने से पहले ही फैसला कर सकेंगे कि उन्हें राइड पर जाना है या नहीं। यह कदम ऐसे वक्त में आया है, जब उबर यात्रा की बुकिंग के बाद यात्रा रद्द करने में कटौती कर रही है।

कंपनी ने यह फैसला नेशनल ड्राइवर एडवाइजरी काउंसिल से प्राप्त फीडबैक के आधार पर लिया गया है। यह फीडबैक सर्वे छह मेट्रो शहरों में उबर और उसके ड्राइवरों के बीच दो-तरफा संवाद की सुविधा के लिए मार्च 2022 में लॉन्च किया गया था। राइड-हेलिंग सर्विस प्रोवाइडर ने एक बयान में कहा कि इस कदम से पारदर्शिता बढ़ेगी और राइडर्स और ड्राइवरों के लिए निराशा दूर होगी। बयान में आगे कहा गया है, ÷भारत भर में उबर प्लेटफॉर्म पर ड्राइवर अब राइड स्वीकार करने का फैसला करने से पहले ट्रिप डेस्टिनेशन देख सकेंगे।÷उबर ने इस प्रोग्राम को शुरू करने से पहले इसी साल मई में एक पायलट प्रोजेक्ट किया था। कंपनी ने यह भी कहा कि उसके पायलट प्रोजेक्ट से यात्रा रद्द करने में कमी के उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। राइड-हेलिंग फर्म ने अपने बयान में कहा, ÷उबर ने यात्रा स्वीकृति सीमा को खत्म करने का फैसला किया है और सभी शहरों में बिना शर्त सुविधा शुरू की है।

उबर ड्राइवरों और सवारों से फीडबैक की निगरानी जारी रखेगा और यदि आवश्यक हो तो बदलाव करेगा। मालूम हो कि कैब सर्विस इस्तेमाल करने वाले लोगों ने कभी न कभी राइड बुक करते वक्त कई तरह की परेशानियां का सामना जरूर किया होगा। इसमें से परेशानी यह है कि बुकिंग के वक्त ड्राइवर कॉल करके डेस्टिनेशन लोकेशन पूछता है, अगर डेस्टिनेशन उसके हिसाब से नहीं है तो वह राइड कैंसिल करने के लिए कहता है या खुद ही राइड कैंसिल कर देता है। हालांकि, अब उबर में ये समस्या खत्म होने जा रही है।

जल्द लॉन्च होगा वीवो टी1एक्स स्मार्टफोन

नई दिल्ली । चाइनीज कंपनी वीवो अपना टी1एक्स स्मार्टफोन जल्द लॉन्च कर सकती है। इसे 20 जुलाई को भारतीय बाजार में उतारा जा सकता है। वीवो कंपनी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इसका खुलासा किया है। स्मार्टफोन 4जी और 5जी वेरिएंट दोनों में आता है और चुनिंदा वैश्विक बाजारों में उपलब्ध है। फोन में डुअल रियर कैमरा सेटअप मिलेगा। कैमरे में प्राइमरी सेंसर 50 मेगापिक्सल का हो सकता है। फिलीपींस में इस स्मार्टफोन को पहले ही लॉन्च किया जा चुका है। वहां इस फोन के 4जीबी+64जीबी वेरिएंट की कीमत क्काक्क8,999 है, जो लगभग 12,800 रुपये है। वीवो टी1एक्स के 6जीबी+128जीबी वेरिएंट की कीमत 1,699 युआन (लगभग 19,900 रुपये) है।

होंडा ने नई 2023 सीआर-वी का टीजर किया जारी

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी होंडा ने पूरी तरह से नई 2023 सीआर-वी का टीजर जारी किया है। कंपनी का कहना है कि 2023 सीआर-वी ज्यादा अट्रैक्टिव और रिफाइंड ड्राइविंग एक्सपीरियंस के साथ आएगी। एसयूवी को इस साल इंटरनेशनल मार्केट में उतारा जाएगा। इसमें पूरी तरह से नया बाहरी और इंटीरियर डिजाइनिंग, अत्याधुनिक तकनीक और एक हाइब्रिड इंजन शामिल है। भारत में यह कब लॉन्च होगी अब तक इसकी पुष्टि नहीं है।नए सीआर-वी का डिजाइन पुराने मॉडल की तुलना में पूरी तरह से नया है। यह ज्यादा सीधे सिल्हूट के साथ आएगी।

पांचवीं पीढ़ी के मॉडल की तुलना में इसकी लंबाई 69 मिमी और 10 मिमी चौड़ाई ज्यादा है। आगे की तरफ चौड़े हेडलैम्प्स के साथ एक बड़ा, सीधा ग्रिल भी

दिया गया है। सीआर-वी स्पोर्ट काले रंग के 18-इंच मल्टी-स्पोक अलॉय व्हील्स के साथ आएगी। स्पोर्ट टूरिंग में ब्लैक 19-इंच स्प्लिट 5-स्पोक अलॉय होंगे। नए सीआर-वी में ज्यादा एडवांस डिजाइन और फीचर्स के साथ एक कमरेदार इंटीरियर मिलता है, जिसमें डैशबोर्ड के ऊपर स्थित 9.0-इंच टचस्क्रीन के साथ एक इंफोटेनमेंट सिस्टम शामिल है, जिसमें एप्पल कारप्ले और एंड्रॉयड ऑटो क्षमता है। साथ ही एसी वेंट्स, ग्रे या ब्लैक लेदर सीटिंग और पियानो ब्लैक डैश ट्रिम पर हनीकॉम्ब इफेक्ट दिया गया है।इंजन विकल्पों की बात करें तो सीआर-वी में 1.5-लीटर फोर-सिलेंडर टर्बोचार्ज्ड इंजन मिलता है, जो एंट्री-लेवल मॉडल के लिए 187बीएचपी का उत्पादन करता है, जबकि हाई एंड वेरिएंट केवल दो इलेक्ट्रिक मोटर्स के साथ हाइब्रिड 2-लीटर चार-सिलेंडर इंजन के साथ आते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उपलब्ध है।

एडब्ल्यूडी दोनों इंजन विकल्पों में उपलब्ध है। होंडा प्रत्येक 2023 सीआर-वी को स्टैंडर्ड ड्राइवर-असिस्ट टेक्नोलॉजी के एक बोटलोड से लैस करता है। इसमें स्टैंडर्ड ब्लाइंड-स्पॉट मॉनिटरिंग, ड्राइवर-अटेंशन मॉनिटर, ट्रैफिक-साइन रिकग्निशन और बैक-सीट रिमाइंडर जैसे फीचर्स मिलेंगे। अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि होंडा भारत में 2023 सीआर-वी लॉन्च करेगी या नहीं।

क्रिप्टो करेंसी में निवेश घाटे का सौदा

मुंबई । यह साल क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए बहुत खराब रहा है। 2022 शुरू होने के बाद से ही बिटकॉइन जैसी कई बड़ी क्रिप्टोकरेंसीज में गिरावट देखी गई है। बिटकॉइन, एथेरियम, टेथर और यूएसडी कॉइन जैसी बड़ी क्रिप्टोकरेंसीज में अभी भी उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। बीते 24 घंटे की बात करें, तब बिटकॉइन, एथर और टेथर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की बात करे तब इसमें बीते 24 घंटे में 1.4 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, अगर पिछले 7 दिनों की बात की जाए, तब इसमें 5.7 फीसदी की गिरावट देखी गई है। बिटकॉइन की कीमत 21,000 डॉलर से नीचे

फिसलकर 20,617 डॉलर पर पहुंच गई है। दूसरे नंबर की इस बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथर में पिछले 7 दिनों में 2.9 फीसद की गिरावट देखी गई है। वहीं, बीते 24 घंटे में इसमें 1.7 फीसद की गिरावट आई है। इस गिरावट के साथ एथेरियम की कीमत इस समय 1,197 डॉलर पर पहुंच गई है। इस क्रिप्टोकरेंसी में पिछले 7 दिनों में 0.3 फीसद की गिरावट देखी गई है। वहीं, पिछले 24 घंटे की बात करें, तब इसमें 0.1 फीसद की गिरावट देखी गई है। इस गिरावट के साथ क्रिप्टोकरेंसी की कीमत अभी 1 डॉलर से नीचे फिसलकर 0.999 डॉलर पर पहुंच गई है। इस क्रिप्टोकरेंसी में बीते 24 घंटे से कोई हलचल देखने को नहीं मिली है।

मैं अन्य विदेशियों को भारतीय फिल्मों में अच्छा प्रदर्शन करते देखकर खुश हूं: एली अवराम

मूल रूप से स्वीडन के स्टॉकहोम की रहने वाली अभिनेत्री एली अवराम का कहना है कि समय के साथ बॉलीवुड में ज्यादातर विदेशी लोगों को स्वीकार किया जा रहा है और उन्हें बेहतर भूमिकाएं मिल रही हैं। किस किसको प्यार करूं, मिकी वायरस और मलंग जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं अभिनेत्री का कहना है कि दुनिया भर में कई लोग बॉलीवुड का हिस्सा बनने के लिए मरते हैं। उन्होंने बताया मैं अन्य विदेशियों को इतना अच्छा करते हुए और भारतीय फिल्म उद्योग में इतना प्यार और प्रशंसा प्राप्त करते हुए देखकर बहुत खुश हूं। बॉलीवुड में कुछ ऐसा है जिसे दुनिया भर में बहुत से लोग प्यार करते हैं और सचमुच मरते हैं! मैं उनमें से एक हूं। अभिनेत्री ने कहा कि वह हमेशा से बॉलीवुड का हिस्सा बनना चाहती थीं। मुझे बचपन से ही सिनेमा से प्यार हो गया था और मैंने हमेशा उस एक विदेशी अभिनेत्री की तलाश की, जो मुझे प्रेरित कर सके और मुझे उम्मीद दे, क्योंकि मैंने भारतीय होने के बावजूद बॉलीवुड में काम करने का सपना देखा था। और मैं कभी नहीं भूलती जब मैंने लव आज कल देखी थी और उसमें एक ब्राजीलियाई लड़की थी जिसने एक भारतीय किरदार निभाया था (2009 की रिलीज में गिसेली मोंटेइरो को संदर्भित करता है)। जैसे ही मैं स्टॉकहोम में सिनेमा से बाहर निकली, मैंने बस अपने आप से कहा, अगर वह ऐसा कर सकती है, तो मैं भी कर सकती हूं। अभिनेत्री का कहना है कि जब से वह इसका हिस्सा बनी हैं, फिल्म उद्योग में काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा, जिस दिन से मैं बॉलीवुड में आई हूं, अब तक चीजें खुल गई हैं और काफी बदल गई हैं। मुझे कई प्रस्ताव मिले हैं, जहां मुझे कभी-कभी तारीखों के टकराव के कारण चुनना पड़ता है कि मुझे क्या करना है। जब ऐसा होता है, तो मुझे खुशी होती है क्योंकि इससे मुझे पता चलता है कि आपकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा आखिर में भुगतान करती है। उन्होंने कहा, मेरे पास कुछ नया है, मैं काम के हिसाब से उत्साहित हूं।

बनते-बनते रह गई थी सोनाक्षी सिन्हा और शाहरुख खान की जोड़ी, हैप्पी न्यू ईयर में करने वाले थे रोमांस

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और कोरियाग्राफर- निर्देशक फराह खान की ना सिर्फ अच्छी दोस्त हुआ करती थीं बल्कि सोनाक्षी उन्हें अपनी बड़ी बहन की तरह प्यार भी करती थीं. फिर वो वक्त आया

जब फरहा खान एक फिल्म प्रड्यूस कर रही थीं जिसका नाम था जोकर. इस फिल्म को फराह के पति शिरीष कुंदर डायरेक्ट कर रहे थे जिसके लिए फराह ने अक्षय कुमार और अपनी दोस्त सोनाक्षी सिन्हा को कास्ट कर लिया. रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की शूटिंग के दौरान शिरीष कुंदर और अक्षय कुमार के रिश्तों में खटास आनी शुरू हो गई थी. बहरहाल, जब फिल्म जोकर के प्रमोशन का वक्त आया तो अक्षय कुमार ने इससे किनारा कर लिया, जिसके बाद सोनाक्षी ने कुछ जगह अकेले ही इस फिल्म का प्रमोशन किया. रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वजह से फराह खान ने सोनाक्षी को अपने दोस्तों की लिस्ट से बाहर कर दिया, क्योंकि फराह को लगा कि अक्षय की वजह से सोनाक्षी ने उनके पति की फिल्म को इम्पोर्टेंस नहीं दी. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म जोकर की शूटिंग के दौरान फराह खान ने सोनाक्षी को बताया था कि वो एक और फिल्म बना रही हैं हैप्पी न्यू ईयर जिसमें शाहरुख खान हीरो होंगे. इतना ही नहीं उन्होंने इस फिल्म में सोनाक्षी को कास्ट करने का वादा भी किया था।

रणवीर सिंह फिल्म 'सीता' में बन सकते हैं 'रावण'

अभिनेता रणवीर सिंह को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है. रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर सिंह से एक पौराणिक पृष्ठभूमि पर बनने जा रही फिल्म के लिए संपर्क किया गया है. यह फिल्म 'बाहुबली' के राइटर केवी विजेंद्र प्रसाद द्वारा लिखी गई है. इस फिल्म का टाइटल है- 'सीता'. रणवीर के फैंस को यह जानकर बहुत हैरानी होगी कि उनके चहेते स्टार को अब बड़े पर्दे पर 'रावण' के तौर पर दिखाने की तैयारी चल रही हैं. अगर सब ठीक रहा तो रणवीर फिल्म 'सीता' में रावण का किरदार निभाते हुए नजर आ सकते हैं. इस बीच यह भी खबरें है कि दीपिका पादुकोण, ऋतिक रोशन और महेश बाबू को लेकर भी एक पौराणिक कथा पर आधारित फिल्म की तैयारी चल रही हैं, जिसका टाइटल रामायण हैं. अब आप सोच रहे होंगे कि रणवीर सिंह को जिस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है, वह रामायण से कैसे अलग है. तो आपको बता दें कि जब भी हमने टीवी पर राम और सीता की कहानी देखी है, उसे हमेशा ही भगवान राम के परिपेक्ष्य से दिखाया गया है. फिल्म सीता के जरिए पहली बार दर्शक उस भाव को महसूस करेंगे, जो कि सीता मां ने किया था. इस फिल्म को सीता मां के परिपेक्ष्य से दर्शाया जाएगा. वहीं, सीता के किरदार के लिए करीना कपूर और आलिया भट्ट को लेकर विचार चल रहा है. सूत्रों के हवाले से अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि फिल्म सीता को बड़े पैमाने पर स्थापित करने की तैयारी चल रही है. फिल्म का स्केल बाहुबली जितना बड़ा होगा. सीता की भूमिका के लिए करीना और आलिया के बीच टॉस-अप है. निर्माताओं ने रावण की भूमिका निभाने के लिए रणवीर सिंह से संपर्क किया है. अगर करीना को साइन किया जाता है और रणवीर भी हां कर देते हैं, तो यह दोनों की साथ में पहली फिल्म होगी. करीना और रणवीर दोनों को ही अपने किरदार पसंद आए हैं, लेकिन अभी फाइनल नैरेशन का इंतजार है, जिसके बाद ही प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाया जाएगा. रणवीर अगर इस फिल्म के लिए हां करते हैं, तो यह केवल उनकी करीना के साथ पहली फिल्म ही नहीं होगी, बल्कि पद्मावत के बाद यह दूसरी फिल्म होगी, जिसमें वह नकारात्मक भूमिका में नजर आएंगे. पद्मावत में शानदार एक्टिंग से रणवीर ने हर किसी को प्रभावित किया था. ऐसा लगता है कि रावण का किरदार निभाकर वह एक बार फिर से दर्शकों के दिलों और दिमाग पर अमिट छाप छोड़ना चाहते हैं।

रणबीर कपूर नहीं बल्कि अक्षय कुमार बनना चाहती हैं आलिया भट्ट खुद बताई वजह

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने साल 2012 में करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से फिल्म इंडस्ट्री में धमाकेदार एंट्री की थी. इस फिल्म की सफलता के बाद आलिया एक के बाद एक बड़ी फिल्मों में दिखाई दे रही हैं. इन दिनों आलिया भट्ट अपनी फिल्मों के अलावा रणबीर कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में हैं. यूं तो आलिया भट्ट अपने अब तक के करियर में कई बड़े हीरो के साथ काम कर चुकीं हैं लेकिन कम ही लोगों को पता है कि वो अक्षय कुमार की बहुत बड़ी फैन हैं और इस बात का खुलासा उन्होंने अपने एक इंटरव्यू के दौरान किया था. भले ही अक्षय कुमार और आलिया भट्ट ने अब तक साथ में कोई फिल्म नहीं की है लेकिन आलिया, खिलाड़ी कुमार की लाइफ से काफी इंस्पायर्ड रहती हैं. आपको बता दें कि कुछ साल पहले एक इंटरव्यू में जब आलिया भट्ट से सवाल पूछा गया कि अगर किसी दिन वो सुबह उठे और कोई मेल कलाकार बन जाएं तो कौनसा एक्टर बनना पसंद करेंगी? इस सवाल पर आलिया ने बिना देर लगाए अक्षय कुमार का नाम लिया और बताया कि उन्हें अक्षय कुमार का लाइफस्टाइल काफी पसंद हैं. वो सुबह जल्दी उठते हैं, जल्दी सोते हैं. उनकी जिंदगी शानदार है और यही वजह है कि मैं अक्षय कुमार बनना चाहूंगी.वैसे ये कहना गलत नहीं होगा कि अक्षय कुमार अपनी लाइस्टाइल से करोड़ों लोगों को प्रेरणा देते हैं और आलिया भट्ट भी उनमें से एक हैं. बात करें आलिया भट्ट के वर्कफ्रंट की तो जल्द ही वो फिल्म आरआरआर में अजय देवगन के साथ अहम किरदार में नजर आएंगी. साथ ही आलिया संजय लीला भंसाली की मचअवेटेड फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोर रही हैं।

प्रोजेक्ट चुनते समय मैं ऐसी चीजें चुनता हूं जो मुझे सोने न दें : सुनील ग्रोवर

अभिनेता सुनील ग्रोवर ने सनफ्लावर में अपनी भूमिका के लिए लगभग 8.1 किलो वजन कम किया है। उनकी ये थ्रिलर सीरीज जल्द रिलीज हो जाएगी। उन्होंने अपनी नई परियोजना के बारे में वादा करते हुए कहा यह तांडव या इससे पहले की किसी भी चीज के साथ मैंने जो किया है, उससे बहुत अलग है। एक प्रोजेक्ट चुनते समय, मैं यह तय करता हूं कि मैं ऐसी चीजें चुनूं जो मेरी नींद उड़ा दें और शूटिंग से कुछ दिन पहले मुझे सोने न दें, और फिर मेरा काम धमाकेदार होता है। अपने चरित्र सोनू को रोमांचक बताते हुए, सुनील ने बाकी कलाकारों के बारे में कहा, हमें रणवीर शौरी, गिरीश कुलकर्णी, आशीष विद्यार्थी, मुकुल चड्ढा और शोनाली नागरानी जैसे कलाकारों में कुछ जबरदस्त कलाकार मिले, साथ ही मेरे निर्देशक विकास बहल ने बहुत ही जबरदस्त काम किया है। शो में राधा भट्ट, आशीष कौशल, शोनाली नागरानी और सलोनी खन्ना भी शामिल हैं। सीरीज मुंबई में एक मध्यवर्गीय हाउसिंग सोसाइटी की कहानी बताती है जिसे सनफ्लावर कहा जाता है।

इस साल के आखिर तक शादी का प्लान है: भाविनी पुरोहित

अभिनेत्री भाविनी पुरोहित मुंबई के बिजनेसमैन धवल दवे के साथ रिश्ते में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि दोनों इसी साल के आखिर तक शादी करने का प्लान बना रहे हैं। अभिनेत्री ने कहा है कि दोनों की शादी पिछले साल होने वाली थी, लेकिन महामारी के चलते इसे टाल दिया गया। भाविनी का कहना है, हमने एक साल तक के लिए अपनी शादी को टाल दिया था, लेकिन अब जब आखिरकार स्थिति सुधर रही है, तो हो सकता है कि हम इस साल के अंत तक शादी कर ले। अभिनय की बात करें, तो साथ निभाना साथिया और जाना ना दिल से दूर जैसे धारावाहिकों का हिस्सा रह चुकीं इस अभिनेत्री का कहना है कि वह जल्द से जल्द काम पर लौटना चाहती हैं। भाविनी कहती हैं, अपने लास्ट शो को किए हुए मुझे काफी वक्त हो चुका है। यह मेरे लिए एक लंबा ब्रेक रहा। मैंने ऐसे किसी ब्रेक के लिए प्लान नहीं किया था, लेकिन ऐसा हुआ और अब मैं और ब्रेक नहीं लेना चाहती। मेरे मंगेतर का अपना बिजनेस है, लेकिन वह भी शोबिज से जुड़ना चाहता है। काश हम एक-दूसरे के अपोजिट कास्ट हो।

सूखे ब्रश से स्क्रब करें, किन नियमों का पालन करना है? मालूम करें

नहाते समय स्क्रब करना लेकिन त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। और अगर इस स्क्रब को 'ड्राई ब्रश' की मदद से किया जाए तो आपकी त्वचा की कई समस्याएं दूर हो सकती हैं। टैन की समस्या दूर होती है। आपकी त्वचा कोमल, कोमल होगी। सिर्फ अंगों को ही नहीं बल्कि पूरे शरीर को स्क्रब करने की जरूरत होती है। आप अलग से पैक लगाकर भी अपने चेहरे को स्क्रब कर सकते हैं। और अगर आप स्क्रब करते समय थोड़े से जैतून के तेल का उपयोग कर सकते हैं, तो आपकी त्वचा बहुत कोमल और कोमल हो जाएगी।

ड्राई ब्रश स्क्रबिंग के क्या फायदे हैं?

त्वचा को एक्सफोलिएट करें-चमक तभी वापस आएगी जब आपकी त्वचा की मृत कोशिकाएं हट जाएंगी। इसलिए सूखे ब्रश से स्क्रब करने से आपकी त्वचा एक्सफोलिएट हो जाती है। यानी मृत कोशिकाओं को हटा दिया जाता है। यह त्वचा की चमक को पुनर्स्थापित करता है। ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है-सूखे ब्रश से स्क्रब करने से आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। इससे त्वचा अच्छी रहती है। तरह-तरह की परेशानियां दूर होती हैं। त्वचा पर जमा अतिरिक्त तेल और अन्य अशुद्धियों को स्क्रब करके हटाया जा सकता है। हालांकि, ऐसे में हल्के हैंड ब्रश का इस्तेमाल करें। जोर से रगड़ने से त्वचा को नुकसान होगा। त्वचा खुरदरी हो सकती है। त्वचा को मॉइस्चराइज करना सुनिश्चित करें। नहाने से पहले स्क्रब करें। और नहाने के बाद क्रीम लगाएं। त्वचा को मॉइस्चराइजर की बहुत जरूरत होती है। नहीं तो स्क्रब करने के बाद त्वचा खुरदरी और रूखी हो सकती है। स्क्रब करते समय तेल का प्रयोग अवश्य करें। अगर आप घर पर पैक या स्क्रबर बनाकर उसे स्क्रब करते हैं, तो आप उसमें थोड़ा सा जैतून का तेल या शहद मिला सकते हैं। मुलायम ब्रश का इस्तेमाल करें। नहीं तो त्वचा को नुकसान हो सकता है। और स्क्रब करते समय अपने हाथों से ब्रश को धीरे से त्वचा पर लगाएं।

जानिए लंबे बालों को घना करने का आसान तरीका

घने लंबे बाल हर किसी को पसंद होते हैं, लेकिन अपने बालों को ताजा और लंबा रखने के कुछ ही आसान तरीके हैं

एलो वेरा जेल: अगर आपके घर में एलो वेरा जेल नहीं है, तो एलो वेरा जेल बाजार से खरीदें। एलोवेरा जेल को स्कैल्प पर 10-15 मिनट के लिए लगाएं। फिर अपने बालों को ठंडे पानी से धो लें। एलोवेरा बालों के रोम को मजबूत करता है और बालों के विकास में मदद करता है।

अंडे: अंडे का प्रोटीन और सल्फर बालों को अंदर से बाहर तक मजबूत बनाता है और बालों का घनत्व बढ़ाता है। जैतून के तेल और अंडे को मिलाकर बालों की जड़ों से सिरे तक लगाएं। इसे 30-40 मिनट तक रखने के बाद शैंपू कर लें, इससे बाल सिल्की हो जाएंगे।

मेथी : पतले बालों को घना करने के लिए मेथी का प्रयोग जरूरी है। एक रात पहले मेथी को पानी में भिगो दें, अगले दिन भीगे हुए मेथी दानों को छान लें, आधा कप साफ पानी डालकर मिला लें। पेस्ट को बालों की जड़ों में 30 मिनट के लिए लगाएं। फिर अपने बालों को शैम्पू से धो लें। आप शैंपू करने से पहले नियमित रूप से नारियल तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

भारत की अपील

रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के बीच भारत ने एक बार फिर अपने स्टैंड पर कायम रहते हुए समाधान न निकलने पर दोनों देशों को खरी-खरी सुनाई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारतीय स्थाई मिशन के काउंसलर प्रतीक माथुर ने दो टूक में जवाब देते हुए कहा कि भारत का मानना है कि निर्दोष लोगों की जान की कीमत पर कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता है। हम अपनी इस बात को फिर से दोहराना चाहते हैं कि हमारी वैश्विक व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और क्षेत्रीय अखंडता और राज्यों की संप्रभुता के सम्मान पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हम यूक्रेन के लोगों की पीड़ा को कम करने के सभी प्रयासों का समर्थन करते हैं, विशेष रूप से यूक्रेन और रूसी संघ के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करते हैं। बता दें कि दोनों देशों के बीच जंग अभी भी छिड़ी हुई है और इसके कारण अब तक लगभग 15 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 4000 से अधिक आम नागरिकों की मौत हुई है। जबकि 10 हजार से अधिक सैनिकों की मौत हुई है। इसमें संशय नहीं रह गया है कि यह संघर्ष अब नाक की लड़ाई बन चुका है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही दिन से जिस तरह का आक्रामक रवैया दिखा रहे हैं, उसे देख कर कौन कहेगा कि ये जंग जल्द खत्म हो जाएगी! बल्कि पुतिन तो परमाणु हमले की धमकी देकर अमेरिका और पश्चिमी देशों को चेताते रहे हैं। इस युद्ध के जरिए पुतिन ने नाटो को भी सख्त संदेश दे दिया है कि वह इनमें से किसी भी देश को अपना सदस्य बनाने का दुस्साहस न दिखाए। हाल में नाटो के महासचिव जेन स्टोल्टेनबर्ग ने भी युद्ध लंबा खिंचने को लेकर चिंता बढ़ा दी है। सच यह भी है कि नाटो भी नहीं चाह रहा है कि युद्ध रुके। यूक्रेन जंग के मैदान में रूस का मुकाबला कर भी इसीलिए पा रहा है कि उसे अमेरिका सहित दूसरे रूस विरोधी देशों से पर्याप्त सैन्य मदद और हथियार मिल रहे हैं। यही संकट का बड़ा कारण है। इन सबके बीच संयुक्त राष्ट्र में भारत की तरफ से आई प्रतिक्रिया काफी मायने रखती है। खासकर यूरोपीय देशों के लिए। देखा जाए तो मामला रूस-यूक्रेन युद्ध तक ही सीमित नहीं है। यूरोपीय देश भारत को एक बड़े भागीदार के रूप में भी देखते रहे हैं। चाहे जलवायु संकट से निपटने का मुद्दा हो या हरित ऊर्जा, अंतरिक्ष सहयोग जैसे दूसरे क्षेत्र हों, सभी में भारत की गिनती अहम और निर्णायक भूमिका अदा करने वाले देश के रूप में हो रही है। विकसित देश भी इस हकीकत को स्वीकार कर रहे हैं कि भारत को नजरअंदाज करके वैश्विक संकटों से निपटना संभव नहीं है। इसमें तो कोई संशय नहीं कि युद्ध ने यूरोपीय देशों को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। ऐसे में उनके लिए भारत जैसा देश एक बड़े मददगार के रूप में साथ खड़ा है। भारत का यह रुख उचित और तार्किक इसलिए भी है कि अगर रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर खेमेबाजी बढ़ती गई तो जंग खत्म होने के बजाय और बढ़ती ही जाएगी और हर पक्ष दूसरे को सबक सिखाने की रणनीति पर चलता रहेगा। वैश्विक राजनीतिक मसलों पर हर साल होने वाला रायसीना संवाद इस बार ज्यादा महत्त्वपूर्ण इसलिए भी हो गया है कि इसमें यूक्रेन का मुद्दा ही प्रमुखता से छाया हुआ है। यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के प्रतिनिधि भारत की तटस्थता की नीति को लेकर सवाल तो पहले से ही उठा रहे हैं। हाल के दिनों में एक के बाद विदेशी नेताओं के दिल्ली के दौरे यह बताने के लिए काफी हैं कि मौजूदा हालात में भारत की भूमिका कितनी महत्त्वपूर्ण हो गई है। रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भारत ने एक बार फिर दृढ़ता के साथ अपने तटस्थ रुख को उचित करार देकर पश्चिमी देशों के दबाव में नहीं आने का संदेश दे दिया है।

क्या खतरे में हैं हिन्दू?

आचार्य प्रशांत

दुनिया में इतने लोग हैं, उनके अपने मन हैं, दिमाग हैं और उन सब के पास बोलने के लिए ज़बान है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। आप किसी की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तो छीन नहीं सकते। तो जिन्?हें जो करना है वो तो करते ही रहेंगे। आप उनके लिए अगर एक रास्ता रोकोगे वो दूसरा रास्ता पकड़ लेंगे। कहीं-न-कहीं तो उनको बोलने के लिए जगह मिल ही जाएगी और ये उचित भी नहीं है कि किसी को उसके मन की बात बोलने से रोक ही दिया जाए। और

तो जो लोग अपने-आपको हिन्?दू धर्म का हितैशी बोलते हैं उनको बड़ी तकलीफ़ वगैरह हो रही है। सिर्फ़ प्रतिक्रिया में रोना-चिल्लाना आपको क्या लाभ दे देगा? , उन्हें वैसे भी रोका नहीं जा सकता।

वो अगर हिंदू धर्म को बदनाम करने की कोशिश कर भी रहे हैं, तो मैं पूछ रहा हूँ कि हिंदू धर्म वास्?तव में क्या है, यह जानना जरूरी है समाज को, जनता को, छात्रों को, बताने के लिए आज तक क्या किया? उन्हें सही बताए नहीं गया, वेदों ग्रन्थों, उपनिषद, गीता पढ़ने को नही दी और फिर कोई और आ करके अपनी बात बोले जो सच्ची भी हो सकती है झूठी भी हो सकती है, इससे लाभ क्या होगा? बहुत पढ़ने को मिल रहा है, बहुत लोग बोल रहे हैं कि हिंदू धर्म के बारे में बहुत भ्रामक प्रचार किया जाएगा और ग़लत बातें बोली जाएँगी। जैसा हिंदू धर्म है नहीं, उसकी उस तरह की छवि दुनिया भर में बनाई जाएगी।

तो अगर आप नहीं चाहते कि हिंदू धर्म की भ्रामक छवि विदेशों में फैले, लोगों के मन में बैठे, तो हिंदू धर्म की जो वास्तविक छवि है, वह आप लोगों तक ले कर जाइए न। पर सनातन धारा की वास्तविकता क्या है, मर्म क्या है सनातन धर्म का, ये बताने वाले तो लोग हैं ही नहीं या बहुत कम हैं। तो वहाँ पर एक पक्ष खड़ा हुआ है, जो कह रहा है कि हिंदू धर्म इस-इस तरीके की मान्यताओं में यकीन रखता है कि हिंदू धर्म आक्रामक है, हिंदू धर्म में हिंसा बहुत है और भेदभाव बहुत है और हिंदू लोग दूसरे धर्मों के अनुयायियों को सता रहे हैं, पीड़ा दे रहे हैं, इस तरह की बातें आमतौर पर करी जाती हैं। मान लीजिए वहाँ इस तरह की बातें खूब की जा रही हैं। और प्रचार भी यही किया जा रहा है कि हिंदू धर्म फासीवाद का समर्थक है, इत्?यादि-इत्?यादि और इस तरह की बातें। आप भी तो बताइए न कि हिंदू धर्म फिर वास्?तविकता में क्?या है। आप विरोध करने को तो खड़े हो जाते हैं कि, ÷नहीं-नहीं-नहीं, वो लोग जो बोल रहे हैं हिंदू धर्म वैसा नहीं है।÷ मैं आपसे पूछ रहा हूँ, वैसा नहीं है, तो कैसा है, ये तो बताइए।

आप ये तो बताने को तैयार हो जाते हैं कि नहीं हिंदू धर्म वैसा नहीं है, जैसा कि उसके विरोधी प्रचार करते हैं। हिन्?दू धर्म की असलियत क्?या है? वो बताइए। वो असलियत आप बता नहीं पाते क्?योंकि ज़्यादातर हिंदुओं को पता ही नहीं है कि उनका धर्म है क्?या। धर्म के नाम पर बस एक परंपरा जानते हैं। रूढ़ियों का पालन कर रहे हैं, प्रथाओं का पालन कर कर रहे हैं। परंपराओं पर चल रहे हैं और इसी को ही धर्म समझ लेते हैं।

हमारे लिए धर्म अधिक-से-अधिक एक चली आ रही संस्कृति का नाम है। हमने धर्म और संस्कृति को बिलकुल जैसे एक ही समझ लिया है। उनमें संबंध ज़रूर है, पर वो एक नहीं हैं न। और हमने कौन सी संस्?कृति पकड़ ली है? जो हमको एक संस्कृति का रूप पता है, जो अभी मध्यकाल में प्रचलित था। हम कहते हैं कि यही हिंदू धर्म है। ÷एक हिंदू कौन है?÷ आप ये बोल ही नहीं पाएँगे कि हिंदू वो है जिसका एक विशेष तरह के दर्शन में विश्?वास है, जिसे एक तरह के दर्शन का ज्ञान है। , क्?योंकि ऐसा कोई दर्शन आप जानते ही नहीं।

आप यह कहेंगे कि जो होली-दिवाली मनाता है, जो तिलक लगाता है, वो हिंदू है। जो राखी बाँधता है, वो हिंदू है। इस तरह की आप बातें करेंगे। एक हिन्?दू पहचाना भी और कैसे जाता है? ऐसे ही तो पहचाना जाता है। हिन्?दू ऐसे थोड़े ही पहचाना जाता है कि जिसको ग्रन्थों का ज्ञान हो, जो शास्त्रों को सम्मान देता हो, उसको हिंदू कहेंगे। हिंदू ऐसे नहीं जाना जाता है। हिन्?दुओं को हमारे यहाँ ऐसे जाना जाता है कि जो जाकर के रंग उड़ाता है होली में, वो हिंदू है। और हिन्?दुओं के साथ कौन सी चीज़ें जुड़ी होती हैं? कि जो, जो रोटी खाते हैं, जो करी बनाते हैं, वो हिंदू हैं। जो गाय की पूजा करते हैं वो हिंदू हैं।

आप कहेंगे, ÷नहीं-नहीं-नहीं, हिंदू ये सब मात्र थोड़े ही है, हिन्?दू तो इससे आगे की बात है।÷ इससे आगे की बात क्?या है, वो तो आपको खुद नहीं पता। जब आपको खुद नहीं पता, तो आप उनका विरोध कैसे करेंगे जो हिंदू धर्म को बदनाम करते हैं? आप , ये जो आप कुछ परंपराओं का पालन कर रहे हैं, ये जो कल्चर पकड़ रखा है, एक तरह की संस्कृति, उसके अलावा और उसके आगे हिंदू धर्म क्या है? हिंदू धर्म का मूल क्या है? हिंदू धर्म की जड़ क्या है? मर्म क्या है हिंदू धर्म का? वो लोगों को खुद ही नहीं पता। यहाँ तक कि जो लोग सबसे बड़े पैरोकार बनते हैं सनातन धर्म के, शायद वो स्वयं भी कम ही जानते हों कि %सनातन% माने क्या। तो फिर इसीलिए आप जब विरोध करने निकलोगे, तो नारेबाजी कर लोगे, या आप कुंठाग्रस्त होकर हीन-भावना में आ करके कुछ गाली-गलौज कर लोगे। पर आप कोई ठोस बात नहीं बोल पाओगे क्?योंकि आप स्?वयं ही नहीं जानते कि हिंदू धर्म माने क्या।और हो भी यही रहा है। लोग कुछ भी कर रहे हैं, हिंदू तब भी कहला रहे हैं, ऐसे कैसे? कुछ आपको पता तो होना चाहिए। कुछ आपके मन में सामग्री तो होनी चाहिए, कुछ आपका ज्ञान तो होना चाहिए। तब तो आप सनातनी कहलाओगे न? या बस ये कह दोगे कि, ÷नहीं साहब हम तो त्यौहार मनाते हैं और परम्पराएँ रखते हैं, हमारे विश्वास हैं तो हम हिंदू हैं÷? और ये जिन प्रथाएँ, परम्पराएँ और आप जिन विश्वासों की बात करते हैं, वो भी लगातार बदलते रहते हैं, तो फिर हिन्?दू हुआ कौन? और ये जो बदलते रहते हैं, उसमें ऐसा नहीं है कि जितने नास्तिक हैं और जो पश्चिम के लोग हैं या जो दूसरे धर्मों के लोग हैं उन्होंने साज़िश करके हमारे प्रथाओं को और परंपराओं को बदल दिया है। बिहार में छठ चलती थी, उत्तर प्रदेश में और मध्य प्रदेश में तीज चलती थी, हरतालिका तीज। पंजाब की तरफ़ बस करवा चौथ मनाया जाता था। पर फ़िल्मों ने करवा चौथ दिखाया, करवा चौथ दिखाया उत्तर प्रदेश में और बिहार में और मध्य प्रदेश में भी हरतालिका तीज पीछे होती जा रही है और सब नई नवेलियाँ कहती हैं – हमें भी करवा चौथ मनाना हैं। तो यह प्रथाएँ, परम्पराएँ भी लगातार बदलती जा रही हैं। तो हिन्?दू माने क्?या? जो फिल्?म देख करके अपनी प्रथाएँ बदल देता है, वो हिन्?दू हो गया? और प्रथाओं का तो ऐसा ही होता है। वो कभी जन्?म लेती हैं और फिर समय के साथ बदलती चली जाती हैं। एक परंपरा बता दीजिए जो शाश्?वत रही है, सत्?य शाश्?वत होता है, कोई प्रथा, कोई परंपरा तो शाश्?वत होती नहीं। कोई भी अपने-आपको हिंदू तब कह सकता है जब उसके पास कम-से-कम कुछ तो ऐसा हो जो सनातन हो।

सनातन माने जानते हैं क्?या होता है? सनातन माने वो जो कालातीत है, जो समय के साथ बदलता नहीं। आपके पास अगर सिर्फ़ रूढ़ियाँ हैं और परम्पराएँ हैं और कुछ ऐसा है जिसको आप बहुत मुखर होकर और गौरवान्वित होकर सांस्कृतिक विरासत बोल देते हो। संस्कृति कोई बड़ी भारी बात नहीं है संस्कृतियाँ आती-जाती रहती हैं, बदलती रहती हैं, जिसको आप हिंदू संस्कृति या भारतीय संस्कृति भी बोलते हो वो लगातार परिवर्तनशील रही है। सत्?य कहाँ है जो कभी बदलता नहीं? उस सत्य से हिंदुओं का बहुत कम लेना-देना है। जबकि अगर कोई आपके सामने आता है जो हिंदू धर्म को, सनातन धर्म को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है, तो उसका सामना सिर्फ़ सत्य के साथ ही किया जा सकता है। उस सत्?य का आपको कुछ अता-पता नहीं, हिंदू धर्म में जो कालातीत है, ग़ौर से समझिएगा। हिंदू धर्म की मर्म की बात मूल की बात । वो मर्म, वो मूल क्?या है? सनातन धर्म मूलत~ वैदिक है, ठीक है? वो वेदों से अपनी अभिव्यक्ति पाता है और वेदों में दो हिस्से हैं मोटे तौर पर।

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता।

व्यक्ति विशेष-करोड़ों भारतीयों का अभिमान हैं द्रौपदी मुर्मू

सत्येंद्र जैन

चंद दिनों में भारत के प्रथम नागरिक,राष्ट्रपति का चुनाव हो जाएगा एवं मतगणना का परिणाम भी आ जाएगा ।विश्व के प्राचीनतम लोकतंत्र(मदर ऑफ डेमोक्रेसी)एवं सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के राष्ट्रपति चुनाव पर दुनिया भर के देशों की नजरें लगी हुई हैं ।रोमांच बना हुआ है।यही लोकतंत्र का सौंदर्य है कि एक और जहां सबसे पहले विपक्ष ने यूपीए की ओर से अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी यशवंत सिन्हा को प्रत्याशी घोषित किया है।विपक्ष के इन प्रमुख दलों में कांग्रेस,टीएमसी ,आम आदमी पार्टी ,टीआरएस ,सपा ,पीडीपी ,नेशनल कॉन्फ्रेंस, डीएमके एनसीपी आदि दलों का समर्थन प्राप्त है।वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के पार्लियामेंट्री बोर्ड जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह ,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सम्मिलित हैं ।भाजपा संसदीय बोर्ड ने विस्मयकारी,चमत्कारी,अविश्वसनीय अकल्पनीय निर्णय लेते हुए झारखंड की पूर्व राज्यपाल ,उड़ीसा की पूर्व मंत्री,अनेक बार की विधायक रही श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद के लिए एनडीए की ओर से प्रत्याशी घोषित किया है।वे किसी भी भारतीय राज्य की पूर्णकालिक राज्यपाल बनने वाली पहली जनजातीय महिला भी हैं।

द्रौपदी मुर्मू के नाम की घोषणा होते ही विपक्षी दलों के अंदर भूचाल आ गया ।उनका दम फूलने लग गया है।वह इस प्रकार के अप्रत्याशित निर्णय की कल्पना नहीं कर रहे थे ।लेकिन भाजपा के रणनीतिकारों ने अचंभित निर्णय लेकर,भारत के जनजाति वर्ग से ,देश की स्वतंत्रता के अमृत काल मे पचहत्तर वर्ष बाद प्रथम राष्ट्रपति निर्वाचित होने का द्वार खोला है। द्रौपदी मुर्मू जो जनजाति वर्ग के संथाली समाज से आती हैं।उन्होंने उड़ीसा ,झारखंड के लोगों के लिए एवं जनजाति क्षेत्रों में अनेकों कल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर लागू कर लाभ पंहुचाया है।वह करोड़ों देशवासियों के सम्मान का प्रतीक हैं।देश के करोड़ों जनजातीय नागरिकों का गौरव हैं।देश की आधी आबादी महिला अस्मिता ,महिला सशक्तिकरण की प्रतिमान हैं। उनके नाम पर जिस प्रकार से एनडीए को समर्थन का परिमाण बढ़ता जा रहा है वहीं यूपीए प्रत्याशी का घटता जा रहा है। सांसद और विधायकों का अंतरात्मा की आवाज पर क्रास वोटिंग का संकट बढ़ता जा रहा है।राजनीतिक विशेषज्ञ

अनुमान लगा रहे हैं कि द्रौपदी मुर्मू के दो तिहाई बहुमत से अधिक से विजयी होने की प्रबल संभावना है। विजय के लिए आवश्यक मतों का प्रबंधन एनडीए सरकार ने पहले ही कर लिया था।कांग्रेस के अनेक नेता जिनमें आचार्य प्रमोद कृष्णन भी सम्मिलित हैं वह स्पष्टतः कह रहे हैं कि कांग्रेस को द्रौपदी मुर्मू का विरोध नहीं करना चाहिए।कांग्रेस के अजोय कुमार ने तो द्रौपदी मुर्मू को बुरी प्रवृत्ति(इविल फिलोसोफी)का प्रत्याशी बता दिया ।मीडिया ख़बरों के अनुसार टीएमसी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी स्वीकार किया कि यदि पता होता कि भाजपा द्रौपदी मुर्मू को चुनाव में उतार रही है तो यशवंत सिन्हा को नहीं लड़ाते और पश्चिम बंगाल में प्रचार करने से रोक दिया है ।झारखंड में कांग्रेस के साथ सरकार चला रहे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा ने द्रौपदी मुर्मू को समर्थन दे कांग्रेस को अवाक् कर दिया है।महाराष्ट्र में कांग्रेस ,एनसीपी के सहयोगी रहे पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के शिवसेना के धड़े ने भी समर्थन देकर महा विकास आघाड़ी को चौंका दिया है।बसपा ने भी मुर्मू का समर्थन किया है।उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के सहयोगी ओमप्रकाश राजभर ने भी मुर्मू को समर्थन देकर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को स्तब्ध किया है। यदि द्रौपदी मुर्मू विजयी होती हैं तो देश की जनजाति समाज से आने वाली प्रथम राष्ट्रपति एवं दूसरी महिला राष्ट्रपति बनने का गौरव प्राप्त होगा ।निर्वाचन का समय आते आते विपक्षी दलों में फूट खुलकर उजागर हो गई है।मध्यप्रदेश में चुनाव प्रचार में आयीं तो भाजपा की संपूर्ण प्रदेश इकाई ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, मप्र से आने वाले मोदी सरकार के मंत्रीगण ने अभूतपूर्व अभिनंदन किया।मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने और विष्णु दत्त शर्मा ने उन्हें प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने का संकल्प लिया है।उन्हें शुभकामनाएं।

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस

सूडोकु नवताल- 6135

★★★★☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6134 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

संसार में आज वैश्विक व्यवस्था का बहुत महत्व है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापारिक लेनदेन, सांस्कृतिक और सूचना आदान प्रदान इतना ज्यादा होता है कि अंतरराष्ट्रीय न्याय व्यवस्था की जरूरत को खारिज नहीं किया जा सकता है। इतना ही नहीं दुनिया में अपराध का भी अंतरराष्ट्रीयकरण हो चुका है। इसके लिए अब व्यवस्थित रूप से अंतरराष्ट्रीय न्याय व्यवस्था की जरूरत है। इसीलिए युद्ध के अपराधियों के शिकार लोगों, देशों के बीच किसी तरह के विवादों, मानवता के खिलाफ अपराधों, आदि के लिए हर साल विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस को अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस के नाम से भी जाना जाता है। हर साल 17 जुलाई को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया जाता है इस दिवस को मनाने का मुख्य कारण है अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्याय की उभरती हुई प्रणाली को पहचानना। क्या आपको पता है अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय को रोम संविधि के रूप में भी जाना जाता है। साथ ही सभी देशों को रोम के इस क़ानून को अपनाने का अधिकार भी है। अभी तक 120 देश रोम में एक क़ानून को अपना चुके है।

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस लोगों को न्याय के समर्थन के लिए जागरूक और एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य पीड़ितों को उनके अधिकारों के लिए बढ़ावा देना है। साथ

ही गंभीर मुद्दों पर ध्यान देने के लिए दुनिया भर के लोगों को एकजुट करने और आकर्षित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। यह लोगो को कई गंभीर अपराधों से बचाने के लिए चेतावनी देता है। साथ ही जो लोग भी दुनिया में शांति और सुरक्षा को प्रभावित करते है उनके लिए ये एक बड़ी चेतावनी है।

हर साल 17 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में 15 न्यायधीश होते है। जो कि संयुक्त राष्ट्र महासभा और सुरक्षा परिषद द्वारा चुने जाते है इन न्यायधीशों का कार्यकाल नौ साल होता है। और इन न्यायधीशों दुबारा भी चुना जा सकता है हर तीन साल में 15 न्यायधीशों में से पांच दोबारा चुने जा सकते है। न्यायधीशों की नियुक्ति के संबंध में एक मुख्य शर्त होती है कि किसी भी देश से दो न्यायधीश नहीं चुने जा सकते है।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय संयुक्त राष्ट्र का एक महत्वपूर्ण न्यायिक अंग है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की स्थापना 1945 में हॉलैंड के शहर हेग में हुई थी। इसके बाद 1946 में इसने अपने काम शुरू कर दिए था। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के अनुसार इसका काम कानूनी विवादों का निपटारा करना है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र के अंगों और विशेष एजेंसियों द्वारा उठाए कानूनी प्रश्नों पर राय देना है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की आधिकारिक भाषा अंग्रेजी और फ्रेंच है।

भारत सरकार ने भी कुलभूषण जाधव मामले में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाया था भारत का अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाने का मुख्य कारण पाकिस्तान द्वारा काउंसलर सेवा मुहैया कराने से इंकार करना था इतना ही नहीं पाकिस्तान सरकार ने कुलभूषण जाधव से जुड़े क़ानूनी दस्तावेज़ की कॉपी देने से इंकार कर दिया था साथ ही पाकिस्तान का कुलभूषण जाधव के परिवार को वीज़ा देने से इंकार कर दिया था इस लिए भारत सरकार को कुलभूषण जाधव मामले में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाना पड़ा।

अंतरराष्ट्रीय न्याय व्यवस्था का एक उद्देश्य बहुत से अपराधों को रोकना भी है। इसके लिए विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस काफी कारगर हो सकता है जिसके बारे में जागरुकता फैला कर अंतरराष्ट्रीय अपराध रोकने में मदद मिलती है। इससे कई देशों को शांति और सुरक्षा मिलती है जो जोखिम में होते हैं या फिर उन्हें दूसरे देशों से होने वाले विवादों में अंतरराष्ट्रीय मदद की जरूरत होती है।

भारत को जबर्दस्त अमेरिकी छूट

वेदप्रताप वैदिक

जब भारतीय मूल के नागरिक विदेशों में राज-काज के हिस्सेदार होते हैं तो वे कैसा चमत्कार कर देते हैं। आजकल ऋषि सुनाक के ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने की बात तो चल ही रही है लेकिन अमेरिका के प्रतिनिधि सदन (लोकसभा) के एक भारतीय सदस्य ने वह काम कर दिखाया है, जो असंभव-सा लगता था। रो खन्ना नामक सदस्य ने अमेरिका के राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम को भारत पर लागू होने से रूकवा दिया। यह अधिनियम चीन, उत्तरी कोरिया, ईरान आदि देशों पर बड़ी कड़ाई के साथ लागू किया जा रहा है। इस प्रतिबंध को 'काट्सा' कहा जाता है। इसके मुताबिक जो भी राष्ट्र रूस से हथियार आदि खरीदता है, उससे अमेरिका किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं करेगा। तुर्की पर भी काफी दबाव पड़ रहा है, क्योंकि वह रूसी प्रक्षेपास्त्र खरीदना चाहता है। जहां तक भारत का सवाल है, रूस तो भारत को सबसे बड़ा हथियार और सामरिक सामान का विक्रेता है। वह आज से नहीं, शीतयुद्ध के जमाने से है। अमेरिका के कई विद्वान और नीति-निर्माता भारत को रूस का पिट्ठू कहते रहे हैं। आजकल भारत ने रूस के साथ एस-400 प्रक्षेपास्त्रों की खरीद का सौदा किया हुआ है और यूक्रेन संकट के बाद से रूस भारत को तेल भी बड़े पैमाने पर सस्ते दामों पर मुहय्या करवा रहा है। इसके बावजूद रो खन्ना द्वारा लाया गया प्रस्ताव अमेरिकी निम्न सदन ने प्रचंड बहुमत से पारित कर दिया है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने दबी जुबान से इसका इशारा किया था, वरना अमेरिकी राष्ट्रपति को अधिकार है कि वह स्वविवेक के आधार पर किसी देश को इस प्रतिबंध से मुक्त कर सकता है। अमेरिका ने भारत के पक्ष में यह एतिहासिक कदम तो उठाया ही, इसके पहले यूक्रेन के सवाल पर उसकी तटस्थता का सम्मान भी किया। इसका मूल कारण यह है कि पश्चिम एशिया और सुदूर-पूर्व एशिया के दो चौगुटों में भारत और अमेरिका कंधे से कंधा मिलाकर साथ-साथ काम कर रहे हैं। दोनों देशों में सामरिक सहकार तीव्र गति से बढ़ता जा रहा है। 2008 में भारत-अमेरिकी सामरिक सौदा सिर्फ 50 करोड़ डॉलर का था। वह अब बढ़कर 2000 करोड़ डॉलर का हो गया है। इस समय रूस और चीन मिलकर ऐसी नीति चला रहे हैं, जैसे वे किसी गठबंधन के सदस्य हों। ऐसे में अमेरिका के लिए भारत को साथ रखना बेहद जरुरी है। भारत और चीन के रिश्तों में इधर जो खटास पैदा हुई है, वह अमेरिका के लिए स्वादिष्ट चटनी की तरह है।

पार्ट टाइम कामों से करें मोटी कमाई

अगर आप नौकरी के साथ पार्ट टाइम काम करना चाहते हैं तो आपके लिए अच्छा अवसर है। खाली समय में ये काम लाखों की कमाई करा सकता है। बस आपको कुछ नहीं करना, अपने शौक को देना है एक नया नजरियां जानिए कैसे।

अगर आप शब्दों के साथ खेलना जानते हैं तो कॉपी एडिटर या कॉपी राइटिंग का काम आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ खास कदम नहीं उठाने हैं, अपनी पसंद का क्षेत्र चुनिए और दी गई समय सीमा और शब्दों के अनुसार लेख लिख कर दीजिए। साथ ही आप प्रूफरीडिंग का भी काम भी कर सकते हैं। अच्छी बात ये है कि पेज और शब्दों के हिसाब से पैसे मिलते हैं। आज कल कंप्यूटर की नॉलेज सबको होती है। अगर आपको कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की जानकारी है तो आप सॉफ्टवेयर डेवलपर की पार्ट टाइम नौकरी आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए बस कुछ नियम अपनाने होंगे। इसमें आपको वेबसाइट बनाने, अपडेट करने के साथ-साथ एप बनाने का काम भी मिलेगा। आपको बता दें कि एक घंटे के लिए 1000-1500 रुपए तक मिलते हैं। यदि आपके पास लैपटॉप है तो आप डेटा एंट्री का काम भी कर सकते हैं। इसमें आपको डेटा इकट्ठा करने से लेकर उसे बेहतर बनाने तक का काम दिया जाएगा। साथ ही आपको कुछ लिंक्स दिए जाते हैं जिन्हें खोलने बंद करने का काम भी होता है। इसमें मुश्किल से एक मिनट का समय जाता है और आप हजारों रुपए कमा सकते हैं।

आज कल अलग अलग भाषा को सीखने का क्रेज सबको होता है। और चलते समय को देखकर ऐसा करना गलत नहीं है। आपको बता दें कि अगर आपको साइन लैंग्वेज आती है तो आप इसमें पार्ट टाइम नौकरी कर सकते हैं। इसमें अच्छी खासी कमाई हो जाती है। एक से ज्यादा भाषाएं जानने और कानून की समझ रखने वाले बाइलिंगव्ल लीगल असिंसटेंट की पार्ट टाइम नौकरी कर सकते हैं। वह किसी एक प्रोजेक्ट पर काम करना शुरु कर दें। इस नौकरी में बहुत कमाई है। अगर आपको तस्वीरें खींचने का शौक है और इसमें माहिर भी हैं तो फ्रीलांस प्रोडक्ट फोटोग्राफी कर सकते हैं। इसमें अलग अलग उत्पादों की तस्वीरें खीनची होती हैं। ई-कॉमर्स साइटों में यह नौकरी आसानी से मिल जाती है। फोटो के सॉफ्टवेयर की भी जानकारी है तो और अच्छा है।

तेजी से बढ़ रहा सैलून का कारोबार

इन दिनों ब्यूटी एंड कॉस्मेटिक प्रोडक्ट के बाद सैलून का कारोबार सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। जो लोग अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं वे इस क्षेत्र में आ सकते हैं। देश में 49 प्रतिशत लोग 25 वर्ष की उम्र के हैं। ये ऐसी उम्र है जब लोग अपनी सुंदरता और खान-पीन पर ज्यादा ध्यान देते हैं और मोटी रकम अदा करने तैयार रहते हैं। इसका बड़ा कारण सोशल मीडिया भी है। आज इस क्षेत्र में काफी अवसर सामने आ रहे हैं, इसलिए इस काम में रोजगार के काफी अवसर पैदा हो गए हैं। अब पार्लर से अच्छी खासी कमाई हो जाती है।

कैसे करें अपने बिजनेस की शुरुआत-

सैलून एट होम कमाई का एक अच्छा जरिया बन सकता है। आजकल बड़े शहरों में अर्बन क्लैप, यस मैडम, ऐट होम जैसे कई ऐप्स काम कर रहे हैं। सैलून एट होम उन लोगों को नौकरी देता है जिन लोगों को पार्लर का काम आता है। घर पर ही सैलून ऐट होम सर्विस के लिए संबंधित कंपनियों के ऐप डाउनलोड करने होंगे उसके बाद उनकी वेबसाइट पर जाकर बुकिंग करनी होगी। इससे हर महीने कम से कम 40 से 50 हजार रुपए तक कमाए जा सकते हैं और जिनके पास अनुभव ज्यादा हैं वे और ज्यादा पैसे कमा सकते हैं। इस कारोबार में नुकसान की संभावना बेहद कम है बशर्ते आप आपने काम में बेहतर हों। ये बिजनेस दिन प्रतिदिन बढ़ेगा ही।

नई तकनीक का इस्तेमाल कर कृषि क्षेत्र से जुड़ें

अब कृषि क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसमें भी रोजगार की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इस क्षेत्र में नई तकनीक के इस्तेमाल के बाद कमाई भी तेजी से बढ़ी है। इसलिए अब यह भी पसंदीदा क्षेत्र बनकर उभरा है। आधुनिकता के इस दौर में कृषि के प्रति युवाओं का ये लगाव किसी चमत्कार से कम नहीं है। अगर आप भी कृषि अनुसंधान के क्षेत्र से जुड़कर कृषि वैज्ञानिक या फिर एक बेहतर किसान बनना चाहते हैं तो फिर इसके लिए आपको 12वीं की परीक्षा अच्छे अंकों से पास कर बीएससी एग्रीकल्चर या फिर बीएससी एग्रीकल्चर ऑनर्स की डिग्री हांसिल करनी होगी। यह डिग्री एग्रीकल्चर, वेटनेरी साइंस, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, फॉरेस्टरी, हॉर्टीकल्चर, फूड साइंस और होम साइंस में से किसी भी एक विषय में ले सकते हैं। अपनी पढ़ाई पूरी करके आप सीधे खेती और इससे संबंधित गतिविधियों से जुड़कर कृषि क्षेत्र में देश के विकास में अपना अहम योगदान दे सकते हैं।

कृषि क्षेत्र में करियर की संभावनाएं

- आज भी भारत की करीब 70 फीसदी जनसंख्या जीविका के लिए पूरी तरह से कृषि पर निर्भर है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में पढ़े लिखे किसानों की सख्त जरूरत है।कृषि क्षेत्र में आप मार्केटिंग, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग या मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना सुनहरा करियर बना सकते हैं।
- इसके अलावा आप नेशनेलाइज्ड बैंकों में बतौर कृषि विस्तार अधिकारी, ग्रामीण विकास अधिकारी, फील्ड ऑफिसर बनकर अपना शानदार करियर बना सकते हैं।इसके साथ ही राज्यों के विभिन्न कृषि विभागों में आपके लिए रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।
- कृषि महाविद्यालयों में एडमिशन पाने के लिए युवाओं के बीच मची होड़ से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन युवाओं के सिर पर कृषि क्षेत्र में करियर का जुनून किस कदर सवार है।

इन संस्थानों से हांसिल कर सकते हैं डिग्री

- अगर आप भी कृषि क्षेत्र में करियर तलाश रहे हैं तो इसके लिए बेहतरीन संस्थानों के बारे में जानकारी भी हासिल कर लें।
- आप हैदराबाद, पुणे, ग्वालियर, इंदौर और पालमपुर स्थित कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण ले सकते हैं।
- कोलकाता और भुवनेश्वर के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से भी आप डिग्री हांसिल कर सकते हैं।
- उदयपुर के राजस्थान एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी में कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण के साथ डिग्री भी पा सकते हैं।
- इलाहाबाद स्थित इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट से प्रशिक्षण लेकर आप कृषि क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

क्रोमो थेरेपी में भी बना सकते हैं करियर

आज कल क्रोमो थेरेपी से इलाज की एक वैकल्पिक विधि सामने आई है। इसमें इलाज के लिए सौर स्पेक्ट्रम के सात रंगों बैंगनी, इंडिगो, नीले, हरे, पीले, नारंगी, लाल का उपयोग किया जाता है।

स्किल्स

अगर आप क्रोमोथेरेपी में करियर बनाना चाहते हैं तो आपमें कुछ स्किल्स होने चाहिए। सबसे पहले तो आपमें इस क्षेत्र में काम करने की रूचि होनी चाहिए। साथ ही लोगों की मदद करने का जज्बा होना चाहिए। एक बेहतर क्रोमोथेरेपिस्ट बनने के लिए आपको व्यक्ति पर प्रत्येक रंग के प्रभाव के बारे में जानकारी होनी चाहिए। आपको लोगों से जुड़कर काम करना होता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए। साथ ही आपको उतना ही अच्छा श्रोता भी होना चाहिए ताकि आप अपने मरीज की समस्याओं को बेहतर तरीके से सुन व समझ सकें।

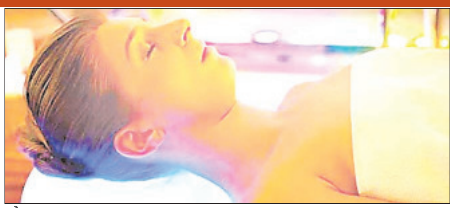

योग्यता

क्रोमोथेरेपिस्ट बनने के लिए आपके पास क्रोमोथेरेपी में डिप्लोमा या बैचलर डिग्री होनी चाहिए। इसके साथ-साथ बायोलॉजी, केमिस्टी और फिजिक्स में ज्ञान होना जरूरी है। भारत में केवल कुछ ही इंस्टीट्यूट क्रोमोथेरेपी का कोर्स कराते हैं। इन अधिकतर इंस्टीट्यूटट में पांच वर्षीय बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज (बीएनवाईएस) पाठ्यक्रम के जरिए क्रोमोथेरेपी के बारे में सिखाया जाता है। इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपका 12वीं पास होना चाहिए। वहीं कलर थेरेपी में डिप्लोमा व बैचलर कोर्स की अवधि छह महीने से एक साल है। वहीं बैचलर सर्टिफिकेशन कोर्स दो साल का होता है।

संभावनाएं

एक क्वालिफाइड क्रोमोथेरेपिस्ट हॉस्पिटल्स से लेकर नेचुरोपैथी क्लिनकि, हेल्थ सेंटर्स में काम कर सकता है। इसके अलावा आप खुद का थेरेपी क्लिनकि भी खोल सकते हैं। वहीं आप रिसर्च वर्क से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर एजुकेशन में भी काम कर सकते हैं।

आमदनी

क्रोमोथेरेपिस्ट की आमदनी उनके स्किल्स और उनके अनुभव के आधार पर तय होती है। अधिकांश क्रोमोथेरेपिस्ट प्रतिघंटे के आधार पर शुल्क तय करते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता महेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर

नौकरी पाने अपनी खूबियों को पहचाने

अगर सभी योग्यता और डिग्री होने के बाद भी आपको नौकरी नहीं मिल रही है। भरपूर मेहनत करने के बाद भी आप जॉब मार्केट में कंपनियों का ध्यान आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं। आप साक्षात्कार में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो आपको सेल्फ एनालिसिस करना होगा। इससे आप अपनी खूबियों को पहचान सकेंगे और उन्हें नौकरी ढूंढने में उपयोग कर सकते हैं। कुछ खास बातें जो आपको नौकरी दिलाने में मददगार हो सकती हैं-

विकल्पों पर रखें नजर- आप जिस क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं, उससे जुडी कंपनियों के वर्प कल्चर और हायरिंग प्रोसेस के बारे में जानकारी जुटाएं। कुछ ऐसी कंपनियों पर भी गौर कर सकते हैं, जो अलग-अलग तरह के काम करवाती हैं।

कम्युनिकेशन बढाएं- सोशल मीडिया वेबसाइट्स पर सप्रिय रहें। लोगों से मिलें। हर जॉब पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना चाहिए। नौकरी की अपनी जरूरतों को स्पष्ट रूप से बता देना चाहिए। ई-मेल या फोन करने की बजाय लोगों से सीधे मिलें। इससे आपका प्रभाव लोगो पर अच्छा पडेगा।

अपनी खूबियों को पहचानें- नौकरी ढूंढने से पहले आपको अपनी खूबियों की बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात की भी जानकारी रखें कि आज जॉब्स देने वाली कंपनियों की जरूरतें क्या हैं। आजकल एक नौकरी के लिए हजारों आवेदन आते हैं, ऐसे में आपमें कुछ खास योग्यताएं होनी चाहिए, ताकि आप वह जॉब हासिल कर सकें।

रिज्यूमे आकर्षक होना चाहिए- आपका रिज्यूमे आकर्षक होना चाहिए। रिज्यूमे में ओवरलोड कंटेंट नहीं होगा चाहिए। अपनी खूबियां संक्षेप में होनी चाहिए। आपका प्रोफाइल खास होना चाहिए। अपनी पसंद और नापसंद और काम करने के तरीके के बारे खास तरीके से प्रस्तुति दें।

विकल्पों पर रखें नजर- आप जिस क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं, उससे जुडी कंपनियों के वर्प कल्चर और हायरिंग प्रोसेस के बारे में जानकारी जुटाएं।

होटल मैनेजमेंट में भी हैं अवसर

आजकल होटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में भी युवाओं का रुझान बढ़ता जा रहा है। जिस प्रकार होटल कारोबार, रिसार्ट व टूर ऑपरेटर का क्षेत्र विकसित होता जा रहा है, होटल मैनेजमेंट कोर्स करने वाले युवाओं की मांग बढ़ती जा रही है। आजकल इस क्षेत्र में मांग इतनी ज्यादा है कि कई बड़े पांच सितारा होटलों ने अपना होटल मैनेजमेंट कोर्स शुरू कर दिया है।

इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम), दिल्ली

आईएचएम की स्थापना 1962 में हुई थी। इसमें दाखिला एनसीएचएमसीटी जेईई के आधार पर होता है। यहां हॉस्पिटैलिटी की फील्ड में डिप्लोमा, अंडरग्रेजुएट और पोस्ट ग्रैजुएट कोर्स कराए जाते हैं। सभी कोर्सो के लिए योग्यता की शर्तें अलग-अलग हैं जिनको संस्थान की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई

आईएचएम, मुंबई की स्थापना 1954 में ऑल इंडिया विमिंस सेंट्रल फूड काउंसिल ने स्वर्गीय श्रीमती लीलावती मुंशी के नेतृत्व में की गई थी। शुरू में इसका नाम इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नॉलजी ऐंड ऐप्लाइड न्यूट्रिशन, मुंबई था।

वेलकमग्रुप ग्रैजुएट स्कूल ऑफ होटल ऐडमिनिस्ट्रेशन (डब्ल्यूजीएसएचए)

इस संस्थान की 1986 में मणिपाल में स्थापना हुई थी। इसका सात विदेशी यूनिवर्सिटियों से समझौता ज्ञापन है। इसके अलावा इसे इंटरनैशनल होटल असोसिएशन (आईएचए), पैरिस से भी मान्यता मिली हुई है। इसमें दाखिला 12वीं में हासिल मार्क्स के आधार पर होता है।

इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम), चेन्नै

यहां भी एनसीएचएमसीटी जेईई के आधार पर दाखिला होता है। 1963 में भारत सरकार और तमिलनाडु की राज्य सरकार ने संयुक्त रूप से इसकी स्थापना की थी।

इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नॉलजी ऐंड ऐप्लाइड न्यूट्रिशन, हैदराबाद

1972 में इसकी स्थापना फूड क्राफ्ट संस्थान के तौर पर हुई थी। 1984 में इसे इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट के तौर पर अपग्रेड किया गया और 1986 में नैशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नॉलजी, नई दिल्ली से मान्यता मिली। यहां भी दाखिला एनसीएचएमसीटी जेईई के आधार पर होता है।

डिपार्टमेंट ऑफ होटल मैनेजमेंट, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी

बेंगलुरु स्थित इस संस्थान की स्थापना 1991 में की गई थी। यहां ऐडमिशन क्राइस्ट यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम के माध्यम से होता है।

आर्मी इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट ऐंड कैटरिंग टेक्नॉलजी

बेंगलुरु स्थित इस संस्थान की स्थापना 1996 में आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसायटी के तत्वाधान में हुई थी। यह बेंगलुरु यूनिवर्सिटी से मान्यता प्राप्त है। यहां दाखिला एआईएचएमसीटी डब्ल्यूएटी के आधार पर होता है।

इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, ग्वालियर

1987 में फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट की तौर पर स्थापित इस संस्थान को 1992 में अपग्रेड करके आईएचएम बना दिया गया। यहां दाखिला एनसीएचएमसीटी जेईई के आधार पर होता है।

एनएसएचएम स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट, दुर्गापुर

सीहोर नगर पालिका पर भाजपा का परचम

कुल 35 वार्डों में से 22 में भाजपा, 9 में कांग्रेस और 4 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने दर्ज कराई जीत

जीत के बाद मतगणना स्थल पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मालवीय, सीहोर विधायक सुदेश राय

भाजपा नेताओं ने बताया जीत को भाजपा सरकार की उपलब्धि कांग्रेस बोली ईव्हीएम में की गई हेराफेरी

रघुवर दयाल गोहिया

सीहोर। सीहोर नगर पालिका के चुनाव में भाजपा ने एक बार फिर परचम लहरा दिया है। नगरीय निकाय चुनाव के तहत प्रथम चरण में 6 जुलाई को हुए मतदान के बाद हुई मतगणना के नतीजे भाजपा के पक्ष में आए हैं। सीहोर के 35 वार्डों में से 22 वार्डों में भाजपा प्रत्याशियों ने जीत दर्ज कराई है। 9 वार्डों में कांग्रेस प्रत्याशी जीते हैं, जबकि 4 वार्ड निर्दलीय उम्मीदवारों के खातों में गए हैं। मतगणना स्थल पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया, आतिशबाजी की और ढोल-ढमाकों के साथ डांस भी किया। भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मालवीय एवं विधायक सुदेश राय भी मतगणना स्थल पहुंचे और कार्यकर्ताओं के साथ जीत के जश्न में शामिल हुए।

प्रतिष्ठा की लड़ाई में जीती भाजपा-

निकाय चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई थी जिसमें भाजपा ने जीत दर्ज कराई है। इस बार चुनाव में कई उलटफेर भी देखने को मिले। इस बार निर्दलीय प्रत्याशी पिछली बार से कम जीते हैं।

इनकी हुई जीत

भाजपा प्रत्याशी जीते = सीहोर नगर पालिका के वार्ड नंबर 1,2, 3,4,6,7,8,9,13,14,15,16,17,18,19,21,22,23,24,25,29,35 से भाजपा प्रत्याशी जीते हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी जीते = सीहोर नगर पालिका के वार्ड नंबर 5, 10, 12, 26, 28, 30, 31, 33, 34 में कांग्रेस प्रत्याशी जीते हैं।

निर्दलीय जीते हैं = सीहोर नगर पालिका के वार्ड नंबर 11, 20,27,32 से निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं।

इनके बीच में था कड़ा मुकाबला-

नगर पालिका सीहोर के चुनावी मुकाबले में 149 प्रत्याशी मैदान में थे। चुनावी मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच में था, लेकिन कई वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं।

वार्ड 1
- भावना अरूण कुमार राय, कांग्रेस
- सुनीता राय, भाजपा
- महिला राय (विन्नी राय), निम्मा संजय राय, सुषमा मांझी पवन केवल, सभी निर्दलीय

वार्ड-2
- संजीत कुमार धुर्वे, कांग्रेस
- विपिन सास्ता (नाना), भाजपा
- धर्मेंद्र भिलाला, निर्दलीय

वार्ड-3
- अरूण मालवीय, भाजपा
- कमल पानवाला, कांग्रेस
- अमरसिंह गौड़ (पप्पू), गुलाब सिंह मालवीय, कैलाश घीसीलाल मालवीय, सभी निर्दलीय

वार्ड-4
- अजय रायकवार, कांग्रेस
- राजेश मांझी, भाजपा
- दीपेंद्र मेवाड़ा (शेंकी), निर्देश कुमार तेजराज, राम यादव, सभी निर्दलीय

वार्ड-5
- लखन चौरसिया, भाजपा
- राजीव गुजराती, कांग्रेस

वार्ड-6
- शशि नवीन सोलंकी, कांग्रेस
- विद्या प्रदीप बिजोरिया, भाजपा
- मीना देवेंद्र राठौर, निर्दलीय

वार्ड-7
- सीता बाई, कांग्रेस
- हेमलता बिजेंद्र परमार, भाजपा = जीते
- अनिता बाई बने सिंह, बसपा
- नेम कुंवर माखनसिंह परमार, निर्दलीय

वार्ड-8
- ममता बंटु कुलहारिया, कांग्रेस
- पूर्णिमा दिनेश (पप्पी), भाजपा
- आशा धर्मेंद्र पाटीदार, निर्दलीय

वार्ड-9
- ममता त्रिपाठी, कांग्रेस

- सीताराम यादव, भाजपा
- हेमलता दीपक राठौर, निर्दलीय

वार्ड-10
- विवेक राठौर, कांग्रेस
- राजू सिकरवार, भाजपा
- अनूप मिश्रा, निर्दलीय

वार्ड-11
- नरेंद्र खंगराले, कांग्रेस
- नीरज जाटव, भाजपा
- धनराज सिंह धरेले, बसपा
- लोकेंद्र वर्मा प्रवेश परिहार (चच्चा), सतेंद्र मंगरोलिया, शुभम सभी निर्दलीय =

वार्ड-12
- वर्षा घनश्याम यादव, कांग्रेस = जीते
- वर्षा जितेंद्र यादव, भाजपा
- लक्ष्मी गोविंद मीना, संगीता ऐलमसिंह राठौर, सुनीता भोजराज यादव, सभी निर्दलीय

वार्ड-13
- सविता अविनाश राठौर, कांग्रेस
- सविता अर्जुन राठौर, भाजपा = जीते

वार्ड-14
- श्याम सोनकर, कांग्रेस
- संतोष शाक्य, भाजपा = जीते
- लक्ष्मीबाई दोहरे, बसपा
- कैलाश कुमार सिनोरिया, मूलचंद्र, राजकुमार चौरसिया, सभी निर्दलीय

वार्ड-15

भाजपा प्रत्याशी प्रिंस राठौर निर्दलीय जीते हैं।

वार्ड-16
- राजकुमार (तुलसी) राठौर, कांग्रेस
- कमलेश राठौर, भाजपा = जीते
- सोहेल खां, आप
- हृदयेश राठौर, मनीष बेदी (मन्नू), साजिद शाह, जहरीउद्दीन, सभी निर्दलीय

वार्ड-17
- विनीता रितेश भेरवै, कांग्रेस
- मायादेवी राजेंद्र सिंह कसोटिया, भाजपा
- दीपा राहुल मिरोगिया, काजल हितेश कछ्वाय, प्रिया अशोक शाक्य, उषा देवेंद्र, उत्तरा नवलकिशोर धीमान, सभी निर्दलीय

वार्ड-18
- कपिल उपाध्याय, कांग्रेस
- प्रदीप गौतम (बब्लू), भाजपा
- सुशील ताम्रकार, निर्दलीय

वार्ड-19
- भगवान सिंह, कांग्रेस
- नरेंद्र राजपूत, भाजपा
- रमेशचंद्र, निर्दलीय

वार्ड-20
- कांता राज कौशल, कांग्रेस
- पानबाई रोहित, भाजपा
- मधुबाला महेश सूर्यवंशी, सपना सूरज मालवीय, निर्दलीय

वार्ड-21
- कविता मनोज गुजराती, कांग्रेस
- प्रभा कमलेश कुशवाहा, भाजपा

वार्ड-22
- दिव्या प्रदीप सरकार, कांग्रेस
- अनुषा विशाल राठौर, भाजपा
- ममता दिनेश गौर, निर्दलीय

वार्ड-23
- संगीता रामप्रकाश चौधरी, कांग्रेस
- मीना दिलीप राठौर, भाजपा

वार्ड-24
- राजेश भूरा यादव, कांग्रेस
- अजयपाल सिंह राजपूत, भाजपा
- मो हुसैन (जैकी), मोहम्मद अमजद, मोहम्मद अनस, नीता महेश यादव, राहुल कुशवाह, राहुल कुशवाह, सभी निर्दलीय

वार्ड-25
- रामप्रकाश चौधरी, कांग्रेस
- मुकेश मेवाड़ा, भाजपा
- टीपू सुल्तान, आप
- अर्जुन कुशवाहा, बलराम राठौर, राजेश चौहान, राजेश मेवाड़ा, सभी निर्दलीय

वार्ड-26
- खुशबू हसीन, कांग्रेस
- नसीम साविर कुरैशी, भाजपा
- हसीना मेहफूज बंटी, सलमा कुरैशी, शाहाना कुरैशी, सभी निर्दलीय

वार्ड-27
- पवन राठौर, कांग्रेस
- प्रदीप कौशल, भाजपा
- मुस्तफा अजुंम, निर्दलीय

वार्ड-28
- रामकली शम्मी उस्ताद, कांग्रेस
- भावना राजेश सोनी, भाजपा

वार्ड-29
- दीपिका कटारिया, कांग्रेस
- रजनी सत्यनारायण वारिया, भाजपा
- प्रियंका मिश्रा, निर्दलीय

वार्ड-30
- इरफान बेल्डर, कांग्रेस
- ओमप्रकाश राय, भाजपा
- खालिद अहमद, मज्जू मजहर खान, मो. गुफरान टिम्मू भाई, उसमान, सभी निर्दलीय

वार्ड- 31
- इरफान खान (लाला), कांग्रेस
- परवीन कुरैशी, आप
- अशफाक खां, मोहम्मद मुत्तकी खान उर्फ नायाब सर, डॉ. मोहम्मद अनीस खान, रईस उस्ताज, शमशाद रिजवान अंसारी, तबस्सुम शफीक बाबा, उजमा, सभी निर्दलीय

वार्ड-32
- हैदरमीर, कांग्रेस
- शैलेंद्र राय, भाजपा
- आजम नेता, नसीम, निर्दलीय

वार्ड-33
- तनवीर मजीद अंसारी, कांग्रेस
- शन्नो, भाजपा
- आफरीन मो. इकबाल, खुर्शीद जावेद उल्ला खां, परवीन कौसर, सभी निर्दलीय

वार्ड-34
- हेमा सुदीप व्यास, कांग्रेस
- रंजना कपिल कुशवाह, भाजपा
- अनामिका रवि यादव, अफसाना शन्नू ठेकेदार, मलका आजम लाला, नीलोफर, सभी निर्दलीय

वार्ड-35
- मीरा टिमरई मांगीलाल टिमरई, कांग्रेस
- चांदनी मांगीलाल, भाजपा
- धनकुंवर, निर्दलीय

इनका कहना है-

सीहोर नगर पालिका के चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों की जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सीहोर की जनता अपने शहर का विकास चाहती है और उन्होंने भाजपा सरकार में किए गए विकास कार्यों पर फिर से अपना विश्वास जताया है। यह जीत मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं भाजपा सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों की जीत है, समस्त कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है।

– **रवि मालवीय,** भाजपा जिलाध्यक्ष,

सीहोर नगर पालिका में भाजपा प्रत्याशियों ने जीत दर्ज कराई है। यह जीत समस्त सीहोरवासियों की जीत है, भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कराए गए गरीब कल्याण कार्यों, विकास कार्यों की जीत है। सीहोर नगर की जनता अपने शहर का विकास चाहती है और हमने विकास के लिए ही शहरवासियों से वोट मांगे थे। विकास का यह सिलसिला निरंतर चलता रहेगा।

– **सुदेश राय, विधायक**, सीहोर विधानसभा

सीहोर नगर की जनता का बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने कांग्रेस पार्टी को सम्मानजनक स्थिति दी है। पिछले चुनाव में कांग्रेस के 4 प्रत्याशी जीते थे, लेकिन इस बार हमारा आंकड़ा 9 पर आ गया है। जनता ने हमें विपक्ष की भूमिका में बैठाया है। हम जनता का आभार व्यक्त करते हैं। जनादेश का सम्मान करते हैं। कई जगह से हमारे प्रत्याशी 4-5 वोटों से हारे हैं, इसमें ईव्हीएम में गड़बड़ी की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।

– **डॉ. बलवीर सिंह तोमर,** कांग्रेस जिलाध्यक्ष, सीहोर

कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने मतगणना स्थल का लिया जायजा

हरिओम परिहार संवाददाता
पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी। जब नगरीय निकाय निर्वाचन के तहत दूसरे चरण के मतदान में सात नगरीय निकायों में निर्वाचन संपन्न हुए हैं जिसकी मतगणना 20 तारीख को होगी।

मतगणना पीजी कॉलेज में की जाएगी। मतगणना स्थल पर तैयारियों का जायजा लेने के लिए कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह पीजी कॉलेज पहुंचे और अधिकारियों के साथ मतगणना की तैयारियां देखी। वहां स्ट्रांग रूम का जायजा लिया और अभ्यर्थियों से चर्चा की। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी मतगणना स्थल पर तैयारियों का जायजा लें और उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी का निर्वहन करें। भ्रमण के दौरान प्रेक्षक श्री अनूप तिवारी भी मौजूद रहे। स्ट्रांग रूम का जायजा लेने पहुंचे कलेक्टर ने वहां मौजूद अभ्यर्थियों से कहा की ईवीएम को स्ट्रांग रूम में निगरानी में रखा गया है। यहां सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरे से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। यदि कोई प्रत्याशी अथवा उनके एजेंट भ्रमण करना चाहते हैं तो वह अपना पहचान पत्र बनवा लें।

अतिथि देवो भव बन गया अतिथि तुम कब जाओगे

÷व्यस्त जीवन के कोहरे में धुँधली होते खो गई परंपरा, मेहमानों के स्वागत की रस्म दिमाग से विलुप्त हो गई, सूखी शाख सा हो गया मन जो कभी अपनेपन की हरियाली सा रहता था हराभरा÷

सदियों से अतिथि सत्कार हमारी संस्कृति की विशेषता रही है, पर आजकल अतिथि देवो भव% नहीं अतिथि अब विवशता का पर्याय बन चुके है।

पहले के ज़माने में मेहमान को भगवान समझा जाता था। बिना इत्तला दिए दो दिन के लिए आए होते थे पर मेज़बान के सम्मान से आग्रह करने पर चार दिन रुक जाते थे।

महाभारत में बताया गया है की जो व्यक्ति अतिथि को चरण धोने के लिए जल देते हैं, वे कभी यमद्वार नहीं देखते। अतिथि अपनी चरण रज के साथ जब प्रवेश करते हैं तो अपना समस्त पुण्य घर में छोड़ जाते हैं।

आजकल के ज़माने में परिवार में भी एक दूसरे के लिए समय नहीं होता वहाँ अतिथि को क्या संभालते, तभी तो फ़िल्में भी ऐसी बन रही अतिथि तुम कब जाओगे। आज के ज़माने में लोगों के पास इतना वक्त नहीं होता है कि वे अतिथि साथ बैठकर अपना कुछ समय व्यतीत कर पाए। खबर मिले की कोई आ रहा है तो घर में भूकंप आ जाता है। आने वाले को भी पता चल जाता है की अनमने मेहमान है। क्योंकि सत्कार में उष्मा ही नहीं होती। सबको प्रायवसी चाहिए। दो मेहमान आ जाए ओर बच्चों को अपना रूम देना पड़े तो तिलमिला उठते है, मम्मा ये लोग कब जाएंगे? और इस चक्कर में घर के बड़े भी मेहमान को रुकने का आग्रह नहीं करते, क्योंकि बच्चों से भी ज़्यादा खुद परेशान होते है। घर तो छोटे हो रहे है दिल भी छोटे हो गए है। आजकल रिश्तेदारी सिर्फ़ मोबाइल पर निभ रही है। शुभेच्छा देनी हो, या शौक़ जताना हो मैसेज कर दिया बात ख़त्म। सामने वाला भी खुश हाश बला टली घर पर आते तो ख़ातिरदारी करनी पड़ती।

हमारा देश संस्कृति और परंपराओं का देश है। अतिथि का दिल से आदर सत्कार करना हमारी परंपरा है। हमें हमारी आने वाली पीढ़ियों को भी अतिथि का महत्व समझा कर भारतीय मूल्यों को बचाने की कोशिश करनी चाहिए। घर आए अतिथि, याचक तथा पशु-पक्षियों का उचित सेवा-सत्कार करना हमारा कर्तव्य है। घर लेकर बैठे है तो दो लोग आएंगे भी। कोई हंमेशा के लिए नहीं रुकने वाला, चार दिन हम आदर से किसीको नहीं रख सकते? संबंध निभाने के लिए अगर थोड़ी तकलीफ़ उठानी भी पड़े तो क्या हुआ, ये चार दिन की तकलीफ़ आपके व्यक्तित्व और संस्कारों को परिभाषित करती है। ये मत भूलिए यही संबंध आपको कहीं न कहीं काम आते है। घर आए मेहमानों को चार दिन प्यार से आदर सत्कार से रखना चाहिए ये आदर्श परिवार की शोभा है, और कभी हमें जरूरत पड़े और किसीके वहाँ जाना पड़े तो निन्संकोच जा सकें।

भावना ठाकर %भावु% बेंगलोर

नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की निकली हवा,कॉग्रेस ने लहराया परचम

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-नगर में 17 जुलाई को नगरीय निकाय चुनाव के परिणाम घोषित हुए।जिसमे भाजपा अपनी परिषद बिठाने में एक बार फिर फैल होती दिखी।क्यों कि नगरीय निकाय चुनाव में दबोह की 15 वार्डो में से कॉग्रेस के पाले में 12 सीट व 3 सीट भाजपा को मिली।और फिर एक बार कॉग्रेस ने नगर परिषद की सीट पर अपना कब्जा जमा लिया।दबोह नगर के नगरीय निकाय चुनाव में कॉग्रेस से वार्ड नम्बर 01 से प्रीति/मेहताब सिंह,वार्ड 02 कॉग्रेस से उमा जाटव,वार्ड 03 कॉग्रेस से जगमोहन तेहरिया,वार्ड 04 कॉग्रेस से हाकिम चौधरी,वार्ड 05 कॉग्रेस से प्रीति/माधव यादव,वार्ड 06 कॉग्रेस से विमला देवी/नरेंद्र दुधारिया,वार्ड 07 कॉग्रेस से सलमा/शेरे पठान,वार्ड 08 भाजपा से लालता प्रसाद कुशवाह,वार्ड 09 भाजपा से शिखा/अरविंद गुप्ता,वार्ड 10 कॉग्रेस सरोज/रामस्वरूप कौरव,वार्ड 11 कॉग्रेस से दिनेश सिंह कौरव,वार्ड 12 भाजपा से रामकुमारी श्रीवास्तव,वार्ड 13 कॉग्रेस से मायादेवी दुर्गाप्रसाद,वार्ड 14 कॉग्रेस से सुधीर तिवारी व वार्ड 15 कॉग्रेस से गोविंद सिंह पाल विजयी हुए हैं।इस दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा कि जनता भाजपा के

षडयंत्रो का जबाब दे चुकी है।अभी तो यह शुरुआत है जनता आने वाले चुनाव में भी भाजपा को आइना दिखाने का काम करेगी और ऐसे ही अच्छे परिणाम कॉग्रेस के खाते में दर्ज कराएंगी।उन्होने कहा कि लहार क्षेत्र के दबोह,आलमपुर,लहार,मिहोना में भाजपा को जनता ने करारा जबाब दिया है।इसी के साथ नेता प्रतिपक्ष व लहार विधायक डॉ.गोविंद सिंह ने सभी विजय हुए पार्षदो को बधाई दी है।

भाजपा-कॉग्रेस में किसको मिले कितने वोट

वार्ड नम्बर 01 प्रीति/मेहताब सिंह कॉग्रेस-182/भाजपा-103

वार्ड नम्बर 02 उमा नारायण सिंह कॉग्रेस-354/भाजपा-346

वार्ड नम्बर 03 जगमोहन तेहरिया कॉग्रेस-336/भाजपा-242

वार्ड नम्बर 04 हाकिम चौधरी कॉग्रेस-358/भाजपा-171

वार्ड नम्बर 05 प्रीति माधव यादव कॉग्रेस-258/भाजपा-186

वार्ड नम्बर 06 विमला नरेंद्र दुधारिया कॉग्रेस-514/भाजपा-136

वार्ड नम्बर 07 सलमा शेरे पठान कॉग्रेस-418/भाजपा-318

वार्ड नम्बर 08 दुर्जन कुशवाह कॉग्रेस-299/भाजपा-840

वार्ड नम्बर 09 आशा ओमप्रकाश गुप्ता कॉग्रेस-82/भाजपा-301

वार्ड नम्बर 10 सरोज रामस्वरूप कौरव कॉग्रेस-403/भाजपा-209

वार्ड नम्बर 11 दिनेश सिंह कौरव कॉग्रेस-511/भाजपा-326

वार्ड नम्बर 12 अंजुम सद्दाम काजी कॉग्रेस-191/भाजपा-324

वार्ड नम्बर 13 माया दुर्गा प्रसाद राठौर कॉग्रेस-523/भाजपा-423

वार्ड नम्बर 14 सुधीर तिवारी कॉग्रेस-380/निर्दलीय-239

ार्ड नम्बर 15 गोविंद सिंह पल कॉग्रेस-484/भाजपा-184

किसके सर होगा नप अध्यक्ष का ताज..?

नगरीय निकाय चुनाव दबोह के रिजल्ट कॉग्रेस के पक्ष में आये हैं।जिसके बाद अब नगर में अध्यक्ष पद को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं।कॉग्रेसी नेताओ की माने तो उनका कहना है कि वार्ड नम्बर 06 से विजयी हुए कॉग्रेस प्रत्याशी विमल नरेंद्र दुधारिया के नाम पर अध्यक्ष पद की मुहर लग सकती है परंतु अभी कुछ कहा नही जा सकता क्यों कि अध्यक्ष कौन होगा इसका फैसला लहार विधायक डॉ.गोविंद सिंह जी करेंगे और जो उनका आदेश होगा वही मान्य होगा।

अपना सच्चा धर्म निभाएं वृक्ष बचाकर कर्तव्य निभाएं : सौरभ बघेल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

संकल्प 1101 वृक्षारोपण टीम के द्वारा खेरे बाली माता और शा.प्रा. वि. उदय पूरा (विलाव) पर किया गया पौधों का रोपण

भिण्ड । रविवार को संयुक्त संकल्प आजाद अध्यापक के जिलाध्यक्ष एवं विकलांग बल के राज्य सचिव द्वारा खेरे बाली माता मंदिर परिसर और शा. प्रा. वि. उदयपुरा विलाव के परिसर मै किया गया वृक्षारोपण इस कार्यक्रम के अवसर पर विकलांग बल राज्य सचिव ने कहा की पेड़ लगाने से मनुष्य और जानवरों को कई प्रकार के लाभ होते हैं हमारे देश में वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के कारण हम सभी के पास स्वच्छ हवा में सांस लेने के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं है जिससे कई लोगों को सांस लेने में मुश्किल होती है वायु प्रदूषण इतनी तेजी से फैल रहा है कि कई लोग सांस की समस्या अस्थमा जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं और यह बहुत तेजी से बढ़ रहा है पेड़ लगाने से हमें शुद्ध हवा ऑक्सीजन फल फूल और औषधि तथा लकड़िया मिलती हैं यदि हम पेड़ लगाते हैं तो यह पक्षियों के लिए भी

एक घर प्रदान करते हैं पक्षियों के साथ-साथ पेड़ हम मनुष्यों के लिए छाया भी प्रदान करते है।आजाद अध्यापक संघ के जिलाध्यक्ष बदन सिंह बघेल ने कहा की यह अभी तक हमने पांच चरण मै वृक्षारोपण कार्यक्रम पूर्ण कर लिया है जिसमे हमने डेढ़ दर्जन से अधिक पौधों को सुरक्षित जगह पर लगबा दिये है और पेड़ो की जानकारी समय समय पर लेने के लिए एक व्हाट्सप्प ग्रुप बनाया है जहाँ भी पैधों का रोपण करते है वहाँ के स्थानीय महानुभाव से एक सप्ताह मै पेड़ो की जानकारी लेते है भविष्य मै हमरा 1101 पौधों लगाने का संकल्प है उन सभी पैधों को पूर्ण रूप से सुरक्षित जगह पर रोपने का प्रयास रहेगा समय पर हमारे द्वारा रोपे गये पैधों का समय समय पर देखने का भृमण होगा

इस अवसर पर उपस्थित रहे श्रीकृपा राम महाराज मुकेश शर्मा शिक्षक अजय सिंह तोमर, शिक्षक शरण बघेल अतर सिंह राजबीर बघेल, रवि भदौरिया ,रामराज नेवी ,सुमित एम जेस भगवान दास गोलू जाटव सौरभ वाल्मीकि ,राजकुमार जाटव, गिरदावल बघेल कल्याण बघेल दीपू बाल्मीकि बेटू आदि।

कर्नाटक महासभा चिंतन मिटिंग का आयोजित

पुष्पाजंली टुडे /नारायणलाल सेंणचा

बेंगलुरू । सीरवी समाज ट्रस्ट एच.एच.आर लेआट वडेर भवन में कर्नाटक महासभा की ओर से समाज विकास के लिए चिंतन मिटिंग शनिवार इग्हरा बजे आईमाता तस्वीर के संमक्ष दीप प्रज्वलित कर आम सभा आयोजित कि गई। चिंतन मिटिंग में मुख्य अतिथि आयुक्त, कृषि विभाग, राजस्थान सरकार आइ.ए.एस. कानाराम सीरवी ने अपने उद्बोधन में बताया की आज की युवा पीढ़ी को ऐसे सफल प्रतिभाओं के संघर्ष जीवन से शिक्षा को लेकर आगे बढ़ना चाहिए ,क्योंकि जो लक्ष्य को चुनौती के रूप में लेकर आगे बढ़ते है ।वे ही लोग उदाहरण बन जाते है ।ओर उन्होंने बताया की समाज में बच्चों को उच्च शिक्षा की जरूरत है। समाज में शिक्षा के लिए कॉलेज व स्कूल का निर्माण करना चाहिए है। जिससे समाज के बच्चे पढ़कर समाज का नाम रोशन करेंगे ।महासभा के अध्यक्ष विरमराम सोलंकी ने महासभा चुनाव कराने हेतु अपने विचार व्यक्त किये ।एच.एच.आर लेआउट वडेर अध्यक्ष एवं महासभा के उपाध्यक्ष फाऊलाल परिहारिया ने शिक्षा व समाज में विकास के करने के लिए जानकारी दी । महासभा सचिव लक्ष्मणराम आगलेचा मिडिया प्रभारी कैलाश चौधरी नारायणलाल लचेचा जिला परिषद सदस्य पूनाराम भायल चेंत-बंदे पत्रिका सम्पादक प्रेम किशोर बर्फा, केवलराम, एंवम महिला लिलाबाई विंग ,सुकन्दकट्टे वडेर बलेपेट वडेर वर्तुर वडेर कोतनुर वडेर जिग्नी वढेर सहित बेंगलुर शहर के सभी वडेर के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर गोपाराम पंवार ने समाज में चल रहे नशा मुक्ति एंव समाज सुधार अभियान की जानकारी दी । तथा समाज के होनहारों के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवाओं की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां के लिए दिल्ली छात्रावास की आवश्यकता, एक साल शिक्षा के नाम अभियान को लेकर वातावरण निर्माण व अबतक प्राप्त सहयोग की जानकारी दी गई। साथ ही जयपुर व उदयपुर छात्रावास की वर्तमान स्थिति से भी अवगत कराया । इस कार्यक्रम का मंच संचालन प्रेम किशोर बर्फा ने किया ।

आजादी का अमृत महोत्सव हर नागरिक के लिए गौरव- केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह

हर घर तिरंगा अभियान में प्रदेश के डेढ़ करोड़ से अधिक घरों पर लहराया जाएगा तिरंगा: मुख्यमंत्री श्री चौहान

'हर घर तिरंगा' भारत को जागृत करने का अभियान : केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री रेड्डी

मुख्यमंत्री श्री चौहान अभियान की वीडियो कांफ्रेंसिंग में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आजादी के अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा अभियान में प्रदेश के डेढ़ करोड़ से ज्यादा घरों पर तिरंगा झंडा लहराया जाना है। उन्होंने इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए व्यापक तैयारियाँ शुरू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केन्द्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी के साथ आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत ÷हर घर तिरंगा÷ अभियान की वीडियो कांफ्रेंसिंग में शामिल होने के बाद निवास कार्यालय में अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर, स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव गृह राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन शिव शेखर शुक्ला सहित अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस अभियान के संबंध में फिर से विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारी जुट कर कार्य करें और प्रदेशवासियों में अपने घरों पर तिरंगा झंडा फहराने के लिए जागरूकता लाएँ। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों से वर्चुअल चर्चा में कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव हर नागरिक के लिए गौरव की बात है। ÷हर घर तिरंगा÷ अभियान ऐसा कार्यक्रम होगा, जो दुनिया में कभी नहीं मनाया गया होगा। केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि हर नागरिक के दिल में देशभक्ति की भावना को प्रबल करना और युवा पीढ़ी को देशभक्ति से ओत-प्रोत करना हमारा दायित्व है। सभी मिलकर जन-जन तक इस संदेश को पहुँचाने का कार्य करें। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि ÷हर घर तिरंगा÷ अभियान भारत को जागृत करने का अभियान है। इसमें हर घर पर तिरंगा लहराकर देशभक्ति का संदेश पहुँचाना है। सभी राज्य सरकारें इसके लिए समन्वित प्रयास करें। लोग स्वयं भी झण्डा खरीद कर घरों पर लगाने के लिए आगे आएँ। उल्लेखनीय है कि आगामी 13-15 अगस्त तक देश के कम से कम 20 करोड़ घरों में तिरंगा लहराया जाने का प्रयास किया जाएगा। वीडियो कांफ्रेंसिंग में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपने विचार व्यक्त कर सुझाव रखे।

2023 में प्रदेश में बनेगी कांग्रेस की सरकार : मानसिंह कुशवाहा

लहार विधानसभा की सभी नगर पालिका एव नगर परिषद पर कांग्रेस का कब्जा।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । प्रदेश में हाल में ही सम्पन्न हुए नगरीय निकाय चुनाव में भिंड जिले के लहार विधानसभा में चार नगर परिषद एव एक नगर पालिका में कांग्रेस पार्टी ने अपना परचम लहराया है।कांग्रेस पार्टी की ऐतिहासिक जीत ने लहार में भाजपा का सूपड़ा साफ कर दिया।भारतीय जनता पार्टी अपना खाता तक नही खोल पाई।लहार विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह का गढ़ माना जाता है। जहां भारतीय जनता पार्टी अपनी एड़ी चोटी का जोर लगाने के बाद भी कांग्रेस पार्टी के गढ़ में सेंध लगाने में नाकाम साबित हुई। कांग्रेस पार्टी को मिले पूर्ण बहुमत से कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों एव

कार्यकर्ताओ में एक नया जोश व विश्वास देखने को मिला है, जब इस सम्बंध में जिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष मान सिंह कुशवाह (लालू) से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया यह कांग्रेस पार्टी के साथ हर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जीत है जो दिन रात कांग्रेस पार्टी के लिए समर्पित रहते हैं और उन्होंने कहा यह तो एक शुरुआत है। जनता अपना मन बना चुकी हमारे प्रदेश के मुखिया कमलनाथ एव दिग्विजय सिंह तथा डॉ गोविंद सिंह के नेतत्व इसी तरह के परिणाम आगामी 2023 में भी जनता जनाधर,भारतीय जनता पार्टी को दिखाने का काम करेगी।एव कांग्रेस पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ प्रदेश में वापसी करेगी।

भाजापा,बसपा,निर्दलीय पार्षदों ने भी जताया कांग्रेस पर भरोसा।

लहार विधानसभा के मिहोना नगर परिषद में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत को देखते हुए एब कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर,निर्दलीय एव बसपा,भाजपा के पार्षद ने भी कांग्रेस पार्टी का दामन थाम कांग्रेस पर भरोसा जताया हैं।भरोसा जताने वालो में भाजपा से रेनू पति सुरेंद्र बरसेना बसपा से विजय कुशवाह एव निर्दलीय प्रत्याशी ममता पत्नी नरेंद्र सिंह एव पुष्पा देवी पत्नी साहब सिंह बघेल ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।कांग्रेस पार्टी की ऐतिहासिक जीत का जशन कांग्रेस कार्यालय बीटीआई रोड पर पटाखा एवं मिठाई खिलाकर मनाया गया। जहां सेकड़ो की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नगरीय निकाय चुनाव में नगर परिषद रन्नोद से बहुमूल्य जीत के दावेदार रहे

वार्ड क्रमांक 2 से रणवीर सिंह परिहार 114 वोट से जीते

वार्ड क्रमांक 12 से नारायण सिंह कुशवाह 77 वोटों से जीते

भावना राजेश केवट वार्ड क्रमांक 10 से जीत

वार्ड क्रमांक 7 से पुष्पा शर्मा 133 वोटों से जीती

हरिओम परिहार संवाददाता
पुष्पांजली टुडे

रन्नौद नगरीय निकाय चुनाव को देखते ही बहुमूल्य जीत हासिल कर चुके प्रत्याशी घोषित किए गए जिसमें नगर परिषद रन्नोद में अपनी प्रतिद्वंद्वियों को शिकस्त मार दी और अपने नाम जीत हासिल की इसी क्रम में नगर परिषद रन्नोद के कार्यकर्ताओं द्वारा आज निज निवास पर जा जाकर मिठाई पुष्प माला पहनाकर शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई जिसमें नगर परिषद रन्नोद मैं हर्ष और उल्लास छाया हुआ है हर जगह खुशियां जाहिर की जा रही है बड़े ही धूमधाम से लोग अपने प्रत्याशी को जीत की बधाइयां देने जा रहे हैं इसी क्रम में नगर परिषद रन्नोद मैं हर जगह खुशहाली के दीप जलाए जा रहे हैं और जीत हासिल कर चुके प्रत्याशियों ने अपनी जनता को तहे दिल से आश्वासन दिया है कि आपके लिए और जनता जनार्दन के लिए चौबीसों घंटे हमारे दरवाजे खुले रहेंगे और हम सभी मिलकर नगर परिषद रन्नौद के विकास कार्यों पर नजर रखेंगे

राष्ट्रपति निर्वाचन के पर्यवेक्षक से प्रमुख सचिव विधान सभा ने भेंट व चर्चा की

भोपाल। देश के सर्वोच्च पद के लिए होने जा रहे राष्ट्रपति निर्वाचन हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक सत्येंन्द्र सिंह, अतिरिक्त सचिव,रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय,भारत सरकार का भोपाल आगमन पर विधानसभा के प्रमुख सचिव एवं राष्ट्रपति निर्वाचन के पीठासीन अधिकारी ए.पी. सिंह ने सौजन्य भेंट की तथा राष्ट्रपति निर्वाचन सम्बन्धी तैयारियों से अवगत कराया। इस अवसर पर राजेश कुमार कौल, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, प्रमोद कुमार शुक्ल, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी तथा विधानसभा के अवर सचिव मुकेश मिश्रा भी मौजूद रहे।

पूरा मामला शिवपुरी जिले के खनियाधाना के ग्राम पंचायत पातीचक

आज सेल्समैन द्वारा राशन की कालाबाजारी का मामला सामने

अनिल कुशवाहा ब्यूरो
पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी। नजर आ रहा है और आदिवासी बस्ती के लोगों इकट्ठे होकर शिकायत की कि हमारे लिए 2 माह से राशन नहीं दिया जा रहा है और बताया जाता है कि वहां के सेल्समैन द्वारा काला बाजारी का मामला सामने आया है. जहां राशन दुकान संचालक के द्वारा हितग्राहियों को शासन से निर्धारित नियमों को ताक पर रख कर जिन हितग्राहियों माल पार कर दिया जाता है ग्रामीण जन सुखबीर आदिवासी परमाल आदिवासी

रघुराज आदिवासी रजनीश आदिवासी शंकर आदिवासी मानसिंह आदिवासी छतर सिंह आदि, रामसेवक आदि, श्री राम सिंह आदिवासी दयाराम आदिवासी सूरज आदिवासी रामवती आदिवासी धनिया आदिवासी राजा बेटी आदिवासी जमुना बाई आदिवासी सभी लोगों का कहना है किसी को 21 तो किसी को 14 किलो राशन वितरण किया जा रहा है, जबकि ऑनलाइन जानकारी निकलवाने पर उस हितग्राही का आबंटन 35 किलो दिया जाना दिखाई दे रहा है. वहीं ऐसे दर्जन भर हितग्राही हैं जिनको उनके अनपढ़ होने का फायदा उठाते हुए राशनकार्ड मे परिवार के किसी सदस्य का नाम कट जाने की बात कहते हुए परिवार के सदस्यों की संख्या अनुसार कम राशन दिया जा रहा है. साथ ही राशन दूकान संचालक द्वारा हितग्राहियों से बिना नाम कटे ही कम राशन देते हुए सेल्समैन बृजमोहन से पूछा गया। तो उन्होंने बताया कि मेरे द्वारा कोई राशन कम नहीं दिया जाता लेकिन हितग्राहियों के राशन कार्ड की जानकारी ऑनलाइन साइट पर एक देखने से पता चल रहा है कि राशन दुकान संचालक द्वारा इस तरह मनमानी करते हुए भ्रष्टाचार किया जा रहा है इसी बात को लेकर जब प्रबंधक रोशन जी से बात हुई तो उन्होंने कहा कि अभि माल वहां से आया नहीं फिर जाकर दुकान पर पता लगाया तो दुकान पर राशन आया हुआ था इसी बात को लेकर सभी हितग्राही नाराज हुए और कहा कि हमें दो 2 माह का राशन दे दो तो उसने कहा कि जो तुझे दिखाएं वह कर मैं राशन नहीं दूंगा मेरे पास कम राशन आया है ऐसा कहकर हितग्राहियों को भगा देता है

निगम मंडलों में ईपीएफ लागू ठेका मजदूरों को भी मिलेगा लाभ

भोपाल। प्रदेश में अब ठेका मजदूरों को भी ईपीएफ का लाभ मिलेगा। पीएफ कमिश्नर ने इसके लिए 50 से ज्यादा विभागों के प्रमुख सचिवों को इसके लिए पत्र लिखा है। वर्तमान में ठेका श्रमिक और संविदा कर्मी ईपीएफ के दायरे में नहीं आते हैं। ऐसे में इन कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा नहीं मिल पाती है। पत्र में कहा गया है कि राज्य सरकार के विभागों के तहत आने वाले जिन निगम मंडलों में ईपीएफ लागू है, वहां नियोक्ता द्वारा एम्पलॉयर पोर्टल में ठेकेदारों का रिकॉर्ड अपडेट नहीं किया है। इससे ठेका श्रमिकों को ईपीएफ का लाभ मिलने में परेशानी होती है। ऐसे में इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं ताकि श्रमिकों को पीएफ

गृह संपर्क अभियान चलाकर की जाती रही खानापूर्ति

परिवार के साथ पलायन कर गए साढ़े तीन लाख बच्चे

भोपाल। प्रदेश में लाखों की संख्या में बच्चे परिवार के साथ पलायन कर गए और स्कूल शिक्षा विभाग कुछ नहीं कर सका। प्रदेश के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों से 14 लाख बच्चे गायब हैं। अब शाला त्यागी बच्चों के गृह संपर्क अभियान के तहत इनसे गृह संपर्क अभियान शुरू किया गया तो पता चला कि साढ़े तीन लाख बच्चों के परिवार दूसरी जगह पलायन कर गए हैं, लेकिन उन्होंने बच्चों को कहीं प्रवेश नहीं दिलाया।

इसी तरह एक लाख 50 हजार बच्चे तो 18 वर्ष से अधिक उम्र के हो गए हैं, जबकि 16 हजार की मृत्यु हो गई है। वहीं,

कुछ बच्चों का नाम पोर्टल पर दर्ज है तो स्कूलों में नहीं होने से भी विसंगति पैदा हुई है। यह भी सामने आया है कि आठवीं के बाद स्कूल छोड़ने वाले की संख्या अधिक है। स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि साढ़े नौ लाख बच्चों का सर्वे कर लिया गया है। इनमें एक लाख से अधिक बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिलाने के लिए चिन्हित कर लिया गया है। इस रिपोर्ट के आने के बाद से विभाग 14 लाख बच्चों को वापस स्कूल में प्रवेश दिलाने की कवायद में जुट गया है। सर्वे के मुताबिक प्रदेश के 3.35 लाख बच्चे अपने परिवार के साथ कहीं और शिफ्ट हो गए हैं, जबकि 15 हजार 185 बच्चों की मौत हो चुकी हैं।

सरकारी स्कूलों में 30 जून तक स्कूलों में बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया चली। 30 जून के बाद दाखिले से छूटे बच्चों को प्रवेश दिलाने के लिए फिर से सर्वे कराया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया को बढ़ाकर 31 जुलाई तक कर दिया गया है। इसके अलावा 1 लाख 55 हजार 35 बच्चे बालिग यानी 18 साल से अधिक उम्र के हो चुके हैं। सर्वे में 11,377 परिवार नहीं मिले। 2 लाख 4 हजार 870 बच्चे पहले से शाला में प्रवेशित होना बताए गए, लेकिन इतने बच्चे स्कूल नहीं आते हैं। बस उनका नाम दर्ज है। स्कूल छोड़ने की बड़ी वजह ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ाई के बजाय रोजी-रोटी जुटाने में लगे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल घर से दूर होने के कारण छात्राएं स्कूल नहीं जा पाती हैं। सरकारी स्कूलों में आठवीं तक के बच्चों को पास किया जाता है, जिससे नौवीं में पहुंचते ही वे अपेक्षाकृत जटिल कोर्स पढ़ नहीं पाते हैं।

सर्वे कराकर स्कूलों में प्रवेश दिलाएंगे

इस बारे में राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक धनराजू एस का कहना है कि वर्तमान में स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। शाला त्यागी बच्चों में से 82 प्रतिशत बच्चों की मैपिंग हो गई है। इसके बाद सर्वे कराएंगे कि कितने बच्चे अगली कक्षा में नहीं पहुंच पाए हैं। उन्हें इस अभियान से जोड़ेंगे और प्रवेश दिलाएंगे।

सितारे यूनिवर्सिटी प्रतिभाशाली छात्रों को नि :शुल्क कंप्यूटर शिक्षा देगी

भोपाल। दुनिया भर में कंप्यूटर विज्ञान पेशेवरों की मांग और आपूर्ति का अंतर पाटने के उद्देश्य से अखिल भारतीय शैक्षणिक सितारे फाउंडेशन के प्रमुख अमित सिंघल ने सितारे यूनिवर्सिटी स्थापित करने की घोषणा की है। यह यूनिवर्सिटी भारत के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को निःशुल्क विश्वस्तरीय कंप्यूटर विज्ञान स्नातक शिक्षा उपलब्ध कराएगी। सितारे युनिवर्सिटी मौजूदा अकादमिक वर्ष में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के परिसर से परिचालन शुरू करेगी। इस संबंध में सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। जिसके तहत राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय आवश्यक-ढांचागत सुविधाएं उपलब्ध कराएगा, जबकि पाठ्यक्रम, अकादमिक और फैकल्टी सितारे फाउंडेशन देखेगी। विद्यार्थियों का चयन उनके जेईई मेंस के प्रदर्शन और इंटरव्यू एवं विस्तृत पृष्ठभूमि जांच पर आधारित होगा। इस यूनिवर्सिटी का पहला बैच 50 विद्यार्थियों के साथ प्रारंभ होगा और एक हजार उच्च गुणवत्ता के कंप्यूटर साइंस स्नातक हर वर्ष तैयार करने की योजना है।

ग्वालियर में मतगणना स्थल पर कई बार बनी हंगामा की स्थिति

चुनाव में वार्ड क्रमांक 1 घाटमपुर से बलदेव अग्रवाल (भाजपा) को 638 मत प्राप्त हुए इनके निकटम प्रतिद्वंदी निर्दलीय उम्मीदवार धर्मेंद्र रावत को 219 वोट मिले, वहीं वार्ड 2 से बृजलता गजब सिंह रावत (भाजपा), को 438 वोट प्राप्त हुए और इनकी निकटतम उम्मीदवार श्रीमती कमलेश यादव को 303 मत हासिल हुए। वार्ड 3 निर्दलीय रीना खेर सिंह जाटव 333 और दूसरे नंबर पर रही भाजपा प्रत्याशी गायत्री जाटव को 256 वोट मिले, वार्ड 4 से कांग्रेस की अनीता कैलाश खटीक को सर्वाधिक 491 और इनकी प्रतिद्वंदी भाजपा उम्मीदवार को ममता खटीक को 259 मत मिले। वार्ड 5 से भाजपा के जितेंद्र सिंह को 281 और निर्दलीय कुबेर जाटव को 238 वोट हासिल हुए। वार्ड 6 में भाजपा की रेणु धर्मेंद्र अग्रवाल को 331 और कांग्रेस उम्मीदवार प्रेमाबाई को 204 वोट मिले, वार्ड 7 से निर्दलीय उम्मीदवार धनवंती प्रजापति को 247 और दूसरे नबर पर रही निर्दलीय उम्मीदवार पूजा जितेंद्र ओझा को 110 मत हासिल हुए। वार्ड 8 में निर्दलीय राधेश्याम जैन को 209 और निकटतम रहे भाजपा उम्मीदवार राजेन्द्र दिघर्रा को 163 वोट हासिल हुए,वार्ड 9 से आप पार्टी के सुमत जैन 317 और दूसरे नबर पर रहे निर्दलीय कुबेर यादव को 184 मत हासिल हुए, वार्ड 10 में निर्दलीय उम्मीदवार उर्मिला रघुबीर यादव को 337 और निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस उम्मीदवार लक्ष्मी जगदीश यादव को 306 वोट मिले,वार्ड 11 से कांग्रेस उम्मीदवार मन्नू यादव को 401 और निकटतम रहे भाजपा के सतीश मघौया कक 347 वोट हासिल हुए, वार्ड 12 में निर्दलीय अजय यादव के 221 और निकटतम रहे भाजपा उम्मीदवार श्रीकृष्ण यादव को 159 वोट मिले, वहीं वार्ड 13 में भाजपा की अनीता जशवंत कुशवाह को 319 और कांग्रेस कि उम्मीद्वार भूरी अमोल सिंह को 159 वोट मिले, वार्ड 14 में कांग्रेस उम्मीदवार शिवप्रताप यादव को सर्वाधिक 280 और इनके निकटतम भाजपा उम्मीदवार रघुबीर यादव को 224 वोट मिले वहीं वार्ड 15 में विजयी हुई भाजपा उम्मीदवार शपिना फिरोज खान को सर्वाधिक 426 और निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस उम्मीदवार मोहन प्रजापति को 336 मत प्राप्त हुए।

ग्वालियर। महानगरग्वालियर में मतगणना स्थल पर कई बार हंगामा की स्थिति निर्मित हो गई। कभी मीडिया को अंदर जाने से रोक दिया गया तो कहीं प्रत्याशियों के समर्थकों के साथ भी प्रशासन ने शाम को वार्ड 27 में रिजल्ट के बाद हंगामा हो गया। प्रशासन ने वार्ड का रिजल्ट रोक लिया है। इससे पहले इस वार्ड से कांग्रेस प्रत्याशी लक्ष्मी सुरेश सिंह को 12 वोट से जीता हुआ घोषित कर दिया था। उन्होंने भाजपा की यामिनी राणा को हराया है। इसके बाद भाजपा ने दोबारा काउंटिंग की मांग की है। इसके बाद कांग्रेस पूर्व विधायक नीटू सिकरवार ने विरोध जताया। उन्होंने कहा कि री-काउंटिंग का औचित्य नहीं होता। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। कुछ देर के लिए काउंटिंग भी रोकी गई है।

2.इसके अलावा, पार्षद के लिए वार्ड 59 में कांग्रेस के हेवरन कंषाना और वार्ड 41 से भाजपा के मोहित जाट और वार्ड 34 में भाजपा के ही रवि तोमर ने जीत दर्ज की है।

3. वहीं, पार्षद चुनाव में 35 वार्डों में भाजपा आगे है। वहीं, 21 वार्डों में कांग्रेस ने बढ़त बनाई है। वहीं 8 वार्डों में अन्य और दो वार्डों में बीएसपी आगे चल रहे हैं। कुल 35 राउंड में काउंटिंग होना है।

4. सबसे पहले 1492 डाक मतपत्रों की की गिनती की गई। डाक मतपत्रों में भाजपा को शुरुआती बढ़त मिली है। इलेक्ट्रॉनिक्स वोटिंग मशीन के खुलने के साथ ही प्रत्याशियों की धड़कनें तेज हो गई हैं। नगर पालिका निगम ग्वालियर की सीट इस बार अनारक्षित महिला वर्ग के लिए आरक्षित है। महापौर के 7 और 66 वार्ड के 385 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। 6 जुलाई को हुए मतदान किया गया था।

दिनभर परिणाम जानने लोग रहे मशगूल, दो गेटों से एंट्री

ग्वालियर नगर निगम में महापौर और पार्षदों की सुबह 9 बजे से शुरू हुई काउंटिंग के चलते आज शहर का माहौल ही अलग था। सुबह से लोगों में सिर्फ परिणाम जानने की उत्सुकता रही। वोटों की गिनती के साथ ही रिजल्ट जानने के लिए लोग एक दूसरे को फोन घनघनाते जहां नजर आये। वहीं इंटरनेट पर सोशल मीडिया का सहारा भी लेते देखे गये। वहीं जिनके नजदीकी काउंटिंग में गये थे उन्होंने उन्हें संपर्क करा। कुल मिलाकर आज का पूरा दिन परिणामों की उत्सुकता को लेकर ही गुजरा।

अंदर मतगणना, बाहर समर्थकों की भीड़

साइंस कालेज में चल रही नगर सरकार की गणना को लेकर लोगों में उत्साह चरम पर रहा। जहां अंदर मतगणना चल रही थी तो बाहर समर्थक उत्साहित दिखे। वह पल-पल कौन आगे कौन पीछे चल रहा है इसी जिज्ञासा में लगे रहे। इस कारण साइंस कालेज के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो जाती जिसे बार-बार पुलिसकर्मियों द्वारा हटाया जाता रहा। चैराहों, मौहल्लों में लोग सड़कों पर आकर गणना के परिणामों की पल-पल की अपडेट जानने में मशगूल रहे। जब उनका कैंडिडेट आगे हो जाता तो हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करते।

दो गेटों से एंट्री

मतगणना स्थल पर जाने के लिए दो प्रवेश द्वारों से एंट्री दी गई। गेट नंबर एक से प्रत्याशी और एजेंटस तथा दूसरे गेट से अधिकारी और कर्मचारियों को प्रवेश दिया गया। वहीं मीडिया को हर राउंड की जानकारी देने के लिए गेट नंबर दो के पास बड़ा पंडाल लगाया गया था। मतगणना स्थल के पास बनाई गई पार्किंग नो बजे से पहले ही फुल हो गई थी। मतगणना स्थल वाले मार्ग पर भीड़ न हों इस कारण पुलिस ने जीवाजी यूनिवर्सिटी तिराहे से ही मतगणना स्थल की ओर जाने वाले वाहनों को सुबह 8 बजे से रोक दिया था।

ग्वालियर में चुनी गई सबसे कम उम्र की पार्षद

22 साल की भावना ने कहा- युवाओं को राजनीति में आना बेहद जरूरी

नगरीय निकाय चुनाव में युवाओं ने बाजी मारी है. ग्वालियर चंबल-अंचल की सबसे कम उम्र की युवती पार्षद चुनी गई है. 22 साल की युवती भावना खटीक ने वार्ड क्रमांक 36 से बीजेपी के टिकट पर जीत हासिल की है. भावना खटीक ग्वालियर चंबल अंचल में सबसे कम उम्र की पार्षद मानी जा रही है. भावना खटीक ने ईटीवी भारत से बातचीत में कहा कि उनकी जीत जनता की जीत है. उन्होंने कहा कि युवाओं को राजनीति में आना चाहिए. इससे शहर मोहल्ले का विकास होगा।

जनता की करेंगी सेवा- पार्षद भावना खटीक अभी पढ़ाई कर रही है. पढ़ाई के साथ-साथ अपने पिता के कहने पर उन्होंने पार्षद पद के लिए टिकट भरा और जीतकर अपने वार्ड की जनता की सेवा करेगी. ग्वालियर में महापौर पद के लिए कांग्रेस प्रत्याशी शोभा सिकरवार और बीजेपी प्रत्याशी सुमन शर्मा में सीधा मुकाबला है।

तीन पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष हारे एक को मिली जीत

स्थानीय निकाय चुनाव में पार्षद पद के लिए चार पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष चुनाव मैदान में थे। जिनमें से एक को जीत हासिल हुई। पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र दिघर्रा को निर्दलीय उम्मीदवार राधेश्याम जैन ने पराजित किया। और वार्ड 11 से भाजपा के सतीश मघैया को कांग्रेस के मन्नू यादव ने हराया है। वहीं वार्ड 2 से पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कांग्रेस उम्मीदवार कमलेश यादव को भाजपा के पूर्व पार्षद गजब सिंह रावत की पत्नि बृजलता ने पराजित किया। वहीं वार्ड 9 से आप पार्टी के उम्मीदवार बनकर चुनाव मैदान में उतरे पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष सुमत प्रकाश जैन को जीत हासिल हुई है। उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार के के पाराशर को पराजित किया है।

लगातार तीन बार खुद जीते , अब पत्नि को पहुँचाया परिषद

वार्ड 2 से लगातार तीन बार पार्षद रहे गजब सिंह रावत की पत्नी बृजलता रावत पार्षद निर्वाचित हुई हैं। पिछड़ा वर्ग महिला होने से पूर्व पार्षद श्री रावत ने अपनी पत्नी को चुनाव मैदान में उतारा था। वहीं वार्ड क्रमांक 4 से अनीता कैलाश खटीक,और वार्ड 10 से उर्मिला रघुबीर यादव को भी लगातार तीन बार जीत मिली है।

भितरवार में भाजपा का रहा दबदबा , 6 उम्मीदवार जीते

पांच निर्दलीय , 3 कांग्रेस और एक पार्षद का पद आप पार्टी के खाते में

ग्वालियर । भितरवार में स्थानीय निकाय का बहुप्रतीक्षित चुनाव परिणाम रविवार को घोषित हुआ। मतगणना के बाद आए परिणाम में सत्ताधारी दल भाजपा का दबदबा रहा, आए चुनाव परिणाम में भाजपा के 6 उम्मीदवार जीते हैं। वहीं 5 निर्दलीय पार्षद निर्वाचित हुए हैं। कांग्रेस पार्टी के 3 और एक पार्षद पद आप पार्टी के खाते में गया है। इन सभी नए पार्षदों को रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उल्लेखनीय हैं। कि 6 जुलाई को नगर के 15 वार्डों में पार्षद पद के लिए चुनाव हुआ था। इन वार्डों से पार्षद पद के लगभग एक सैकड़ा उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। जिनमें से पार्षद चुनने के लिए नगर के 15 हजार 324 में से 12 हजार 347 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। मतदान के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में बंद पार्षद के उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला मतगणना के बाद हो गया। रविवार को सुबह 9 बजे निकाय चुनाव के रिर्टनिंग ऑफिसर एसडीएम अश्वनी कुमार रावत के निर्देशन में सभी 15 वार्डों की मतगणना शुरू हुई। सबसे पहले डाक मत पत्र खोले गए। इसके बाद पार्षद पद के उम्मीदवारों के समक्ष मतगणना कर्मचारियों ने विधिवत प्रक्रिया अपनाकर ईवीएम मशीन खोली। इसके बाद थोड़ी ही देर में जीत हार का फैसला हो गया। मतगणना के दौरान जितने बाले उम्मीदवारों के चेहरे खुशी से खिल उठे और चुनाव में पराजित हुए प्रत्यशियों के चहरे पर मायूषी दिखाई दी। वहीं स्कूल के बाहर खड़े चुनाव जीतने बाले उम्मीदवारों के समर्थको ने नारेबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया। वहीं मतगणना के प्रक्रिया सम्पन्न होने के बाद रिटर्निंग ऑफिसर एसडीएम अश्वनी कुमार रावत ने नव निर्वाचित पार्षदों को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र प्रदान किया। मतगणना के दौरान एसडीओपी अभिनव कुमार बारंगे, तहसीलदार श्यामू श्रीवास्तव, थाना प्रभारी प्रशांत शर्मा,करहिया, चीनोर बेलगढा थाना प्रभारी और पुलिस बल मौजूद रहा।

रागायन की सभा में मेघ मल्हार के सुरों की रिमझिम

ग्वालियर। शहर की प्रतिष्ठित सांगीतिक संस्था रागायन की रविवार को हुई मासिक संगीत सभा में पावस के सुर खूब झरे। राग मेघ और मल्हार के सुरों से सजी इस महफ़िल में मानो सावन साकार हो उठा। जवाँसाल आदित्य से लेकर श्रीकांत कुलकर्णी और पंडित महेश दत्त पांडेय तक ने अपनी अनूठी और अद्भुत प्रस्तुतियों से सभा को एक ऐसे मुकाम पर पहुंचा दिया जहाँ आनंद के अतिरिक्त कुछ था ही नहीं। रसिक भी इस आनंद की रिमझिम में भीगते रहे।

सभा का शुभारम्भ रागायन के अध्यक्ष एवं सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला के श्रीमहंत पूरण वैराठी पीठाधीश्वर स्वामी रामसेवकदास जी महाराज द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं गुरु पूजन से हुआ। इस अवसर पर श्रीराम उमड़ेकर, श्रीमती साधना गोरे, ब्रह्मदत्त दुबे,अभिजीत सुखदाने,आदि उपस्थित थे।

सभा का आगाज़ ग्वालियर के युवा ध्रुपद गायक आदित्य शर्मा के गायन से हुआ। आदित्य यहाँ ध्रुपद केंद्र ग्वालियर में रहकर अभिजीत सुखदाणे से गुरु शिष्य परंपरा के अंतर्गत ध्रुपद गायकी की तालीम ले रहे हैं और कई छोटे बड़े मंचों पर सफल प्रदर्शन भी कर चुके हैं. बहरहाल उन्होंने समयानुकूल राग मेघ में गायन की प्रस्तुति दी। आलाप, जोड़, झाला से शुरू करके उन्होंने झपताल की बंदिश प्रबल दल जग घूम भूमि पर उमड़ घनघोर जल इंद्र लायो है÷ को बड़े ही मनोयोग से गाया। रागदारी की बारीकियों के साथ आदित्य ने आलापचारी में राग के स्वरूप को निखारने की खूब कोशिश की। उनके साथ पखावज पर इंदौर के संजय पंत आगले ने बड़ी ही मिठास भरी संगत का प्रदर्शन किया।

बांसुरी वादन हुआ

दूसरी प्रस्तुति में ग्वालियर के ही जाने माने बांसुरी वादक श्रीकांत कुलकर्णी का बांसुरी वादन हुआ। उन्होंने भी वादन के लिए समयानुकूल राग मेघ मल्हार का चयन किया। इस राग में उन्होंने तीन रचनाएं (गतें) पेश की। विलंबित मध्य और द्रुत लय की ये रचनाएँ तीनताल में निबद्ध थीं। वादन का समापन उन्होंने राग मिस्र पीलू में एक राजस्थानी धुन से किया। उनके साथ तबले पर श्री जगतनारायण शर्मा ने संगत की।

ख़याल गायन से समापन

सभा का समापन ग्वालियर के वरिष्ठ संगीत साधक पंडित महेशदत्त पांडे के ख़याल गायन से हुआ। श्री पांडे ने अपने गायन की शुरुआत राग जोग से की। इस राग में उन्होंने दो बन्दिशें पेश कीं। रूपक में निबद्ध विलंबित बंदिश के बोल थे -÷ अजहूँ न आए।÷ जबकि एक ताल में मध्यलय की बंदिश के बोल थे-÷ सद्गुरु के चरण कमल।÷ दोनों ही बंदिशों को आपने बड़े ही सलीके से गाया। राग के विस्तार में सुर खिलते गए, और फिर तानों की प्रस्तुति भी लाजवाब रही। आपने गायन का समापन राग देश की बंदिश -÷ मेहा रे ... ÷ से किया। तीनताल में सजी ये बंदिश भी आपने पूरे मनोयोग से पेश की। आपके साथ तबले पर डॉ विनय विन्दे और हारमोनियम पर संजय देवले ने संगत की।

संक्षिप्त समाचार

स्व. श्री शीतला सहाय जी की ग्यारवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

ग्वालियर। कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान में स्व. श्री शीतला सहाय जी की ग्यारवीं पुण्यतिथि पर कैंसर पहाड़ी स्थित उनकी समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती समीक्षा गुप्ता पूर्व महापौर, श्री नारायण सिंह कुशवाह पूर्व मंत्री मप्र. शासन, श्री रमेश चन्द्र अग्रवाल पूर्व विधायक, श्री अभय चौधरी पूर्व अध्यक्ष जीडीए, श्री लाल सिंह जादौन पूर्व सभापति, श्री राकेश जादौन, श्री यशवंत इंदापुरकर, श्री जी. डी. लड्ढा पूर्व अध्यक्ष चैंबर ऑफ कॉमर्स, श्री भूपेन्द्र जैन, डॉ. केशव पाण्डे, श्री जय प्रकाश मिश्रा, श्री कुलवीर भारद्वाज, श्री जंग बहादुर सिंह, श्री अरूण कुलश्रेष्ठ, श्री रामसेवक श्रीवास्तव एवं महानगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर जन विकास न्यास के प्रबंधक न्यासी डॉ. बी. आर. श्रीवास्तव एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने स्व. श्री शीतला सहाय जी के साथ बिताये हुये अविस्मरणीय पलों के अनुभव को सभी लोगों को बताया। जिसमें न केवल कैंसर चिकित्सालय के बारे में बल्कि उनके साथ अलग-अलग विधाओं में कार्य के बारे में उनकी दूरदर्शिता, प्लानिंग व योजनाओं के बारे में भी बताया जो आज न केवल मध्यप्रदेश बल्कि आस पास के प्रदेशों के द्वारा भी अमल में लायी जा रही है। उन्होंने ग्वालियर शहर के लिये सिंचाई, चिकित्सा, परिवहन एवं कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं के लिये भी अभूतपूर्व कार्य किया। डॉ. अचला सहाय ने इस अवसर पर कहा कि स्व. श्री शीतला सहाय जी के बारे में आप सभी लोगों से सुनकर हमें पता चलता है कि वे बड़े व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने बताया कि स्व. श्री शीतला सहाय जी की इच्छा थी कि परिवार में कोई डॉक्टर बनें और मुझे खुशी है कि मैं उनके सपने को पूरा कर पाई। सिम्स मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल के संचालक डॉ. नीरज शर्मा ने श्री शीतला सहाय जी को याद करते हुये बताया कि वे ऐसे कर्मयोगी थे जो अपने कर्मों के ऊपर विजय प्राप्त कर चुके थें और ऐसे महापुरूष के लिये सभी दृश्य एवं अदृश्य शक्तियों उनके संकल्पों को पूर्ण करने में लगी रहती है। इस अवसर पर सभी लोगों ने स्व. श्री शीतला सहाय जी के सिद्धांतों और प्रेरणा की विरासत को आगे बढ़ाने एवं जीवन में उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। स्व. श्री शीतला सहाय जी आज हमारे बीच में भले ही न हो लेकिन उनकी प्रेरणा सदैव हमें मिलती रहेगी। स्व. श्री शीतला सहाय जी ने इस संस्था की प्रगति का जो सपना देखा था उसे जन विकास न्यास परिवार पूरा करने के लिये सदैव प्रयासरत है। स्व. श्री शीतला सहाय जी हम सभी के लिये प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे। सभी उपस्थित जनों ने स्व. श्री शीतला सहाय जी की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इसी क्रम में गणमान्य सदस्यों द्वारा स्व. श्री शीतला सहाय चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पैक्ड एवं प्री-लेबल्ड खाद्य सामग्री पर 5 फीसदी जीएसटी लगाये जाने के विरोध में धरना आज

''घंटा बजाओ सरकार को जगाओ''

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ग्वालियर द्वारा पैक्ड एवं प्री-लेबल्ड खाद्य सामग्री पर 5त्न जीएसटी लगाये जाने के विरोध में 18 जुलाई, सोमवार को इंदरगंज चौराहा पर सायं 4 से 5 बजे तक धरना आयोजित किया गया है। इस अवसर पर व्यापारी इसका भरपूर विरोध करते हुए ''घंटा बजाएं और सरकार को जागायें''। कैट मध्यप्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन, जिला संयोजक दीपक पमनानी, जिला अध्यक्ष रवि गुप्ता, महामंत्री मुकेश जैन, कोषाध्यक्ष जे.सी. गोयल, धरने के संयोजक विवेक जैन, दिलीप पंजवानी, क्रांति मिलिंद, समीर अग्रवाल आदि ने बताया कि 30 जून 2017 की अर्द्धरात्रि को संसद में घंटा बजाकर जीएसटी प्रारंभ हुई थी। आज 5 वर्ष में एक हजार संशोधन करने से जीएसटी का मूल रूप बिगड़ गया है और अब पैक्ड एवं प्री-लेबल्ड खाद्य सामग्री पर 5त्न जीएसटी लगाकर पूरे व्यापार को एक परेशानी की स्थिति में सरकार ने खड़ा कर दिया है। इसलिए व्यापारी धरना स्थल पर आयें घंटा बजायें और सरकार को जगाने का कार्य करें। शीघ्र ही इसके बाद आंदोलन को और गति प्रदान की जायेगी।

थाटीपुर विद्यालय में सेनेटरी पैड मशीन की हुई स्थापना

ग्वालियर । आईएससीआई फाउंडेशन के द्वारा लड़कियों के बीच व्यक्तिगत स्वच्छता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए और बाजार से सैनिटरी नैपकिन खरीदते समय लड़कियों की झिझक को कम करने के लिए मासिक धर्म स्वच्छता का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में सैनिटरी नैपकिन के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मशीनें लगाई गई हैं। यह कार्यक्रम आईएससीआई फाउंडेशन अपने सी.एस.आर. सहयोगी एस्सार टिएमटी के साथ कर रहे हैं व गोग्स के माध्यम से बच्चियों को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बताया जा रहा है।आईएससीआई फाउंडेशन की निदेशक श्वेता जी ने कहा कि पहल के तहत जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में मासिक धर्म स्वच्छता और सैनिटरी नैपकिन के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 10 सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीनें लगाई जाएंगी। गोग्स की अध्यक्ष डॉ. शशिबाला भोंसले, डॉ. वीना प्रधान, डॉ. बर्नाली श्रीवास्तव, और डॉ. शिल्पी शर्मा, ने कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने लड़कियों से मासिक धर्म की स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में सवाल किए और मौके पर ही समाधान और परामर्श प्रदान किया। प्रिंसिपल राजीव ने कहा कि यह बात करने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है और उन्हें खुशी है कि आईएससीआई फाउंडेशन ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए कदम उठा रहा है। स्वयंसेवकों अदिति, प्रिया, प्रांजलि और करण ने पूरे आयोजन को प्रबंधित करने और सफल बनाने में बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने लड़कियों को डॉक्टरों के साथ मासिक धर्म स्वच्छता से संबंधित सवाल उठाने के लिए प्रेरित किया और डॉक्टरों और लड़कियों के बीच संबंध के रूप में भी काम किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478